संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -342 सोमवार ,14 अक्टूबर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

हर चुनाव में ईवीएम का दुरुपयोग होता रहा है...

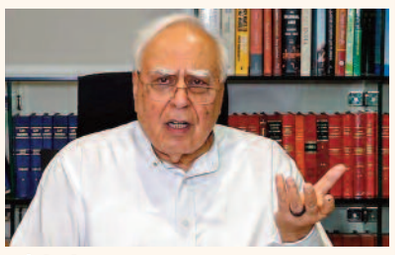

नई दिल्ली,13 अक्टूबर 2024(ए)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को ईवीएम के दुरुपयोग की बात की और कहा कि हर चुनाव में ऐसा होता रहा है।उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं शुरू से ही यह कहता हुआ आ रहा हूं कि ईवीएम का दुरुपयोग हमेशा से ही होता रहा है। चाहे वो लोकसभा के चुनाव हो या विधानसभा के चुनाव। हर चुनाव में ईवीएम का दुरुपयोग होता रहा है। उन्होंने आगे कहा, मैं हमेशा से ही ईवीएम के खिलाफ बयान देता हुआ आया हूं। मेरे कई बयान आपको याद ही होंगे। मैंने कई दफा इस बातचीत पर बल दिया है कि सभी चुनावों में ईवीएम का दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने कांग्रेस का जिक्र कर कहा, अब कांग्रेस ने हाल ही के चुनाव में ईवीएम के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया है।

इटावा-आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसे में तीन की मौत

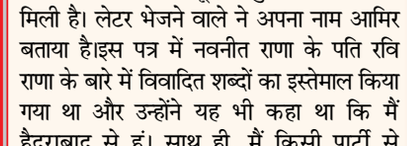

इटावा,13 अक्टूबर 2024(ए)। यूपी के इटावा जिले में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर माइलस्टोन-125 पर भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में दो विदेशी महिला समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती कराया गया।

नवनीत राणा को मिली गैंगरेप की धमकी

10 करोड़ रुपए दो नहीं तो...

नई दिल्ली,13 अक्टूबर 2024(ए)। भारतीय जनता पार्टी की नेता और महाराष्ट्र के अमरावती की पूर्व सांसद नवनीत राणा को धमकी भरा पत्र मिला है। इसके बाद हड़कंप मच गया। इस पत्र में नवनीत राणा को सामूहिक दुष्कर्म की धमकी मिली है। लेटर भेजने वाले ने अपना नाम आमिर बताया है।इस पत्र में नवनीत राणा के पति रवि राणा के बारे में विवादित शब्दों का इस्तेमाल किया गया था और उन्होंने यह भी कहा था कि मैं हैदराबाद से हूं। साथ ही, मैं किसी पार्टी से नहीं हूं। उसने कहा कि मेरे भाई वसीम ने तुम्हें दुबई से फोन किया था। इस लेटर भेजने वाले शख्स ने अपना मोबाइल नंबर भी लिखा है। इसमें पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे भी लिखे हैं। इतना ही नहीं उसने दस करोड़ रुपए की फिरौती की भी मांग की है। इस मामले में रवि राणा के निजी सहायक विनोद गुहे ने शहर के राजापेठ पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई हैं।

एनसीपी नेता बाबा सिद्धिकी की नृशंस हत्या

बाबा सिद्दीकी की हत्या का आरोपी बोला...मैं नाबालिग,चौथे आरोपी अख्तर की पहचान हुई,इसी पर शूटर्स को किराए पर कमरा दिलाने का शक

मुंबई,13 अक्टूबर 2024(ए)। मुंबई में एनसीपी (अजित गुट) के नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में रविवार को चौथे आरोपी की पहचान हो गई है। उसका नाम जीशान अख्तर है। वो पंजाब के जालंधर का रहने वाला है। सूत्रों के मुताबिक, जीशान पर दूसरे आरोपियों को रहने के लिए कमरा दिलाने का शक है। वो फरार है।

इस केस में अब तक 2 आरोपियों, हरियाणा के गुरमेल और यूपी के धर्मराज को गिरफ्तार किया है। यूपी के ही एक अन्य आरोपी शिव की तलाश जारी है। मुंबई कोर्ट ने गुरमेल को 7 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। धर्मराज ने खुद को नाबालिग बताया है, जिसकी जांच की जा रही है। मर्डर के 28 घंटे बाद रविवार को लॉरेंस गैंग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली। इस पोस्ट की जांच भी पुलिस कर रही है। इसमें लिखा है, सलमान खान और दाऊद की मदद करने वालों को छोड़ेंगे नहीं। इस पोस्ट में लॉरेंस और अनमोल को हैशटैग किया गया है।

लॉरेंस का नाम सामने आने के बाद सलमान खान के घर की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। लॉरेंस गैंग ने इसी साल अप्रैल में सलमान के घर पर फायरिंग करवाई थी।

बाबा सिद्दीकी की हत्या शनिवार रात को उनके विधायक बेटे जीशान के बांद्रा स्थित ऑफिस के सामने की गई थी। उन्हें तीन गोलियां मारी गई थीं। वे इसी साल फरवरी में कांग्रेस छोड़कर अजित पवार की एनसीपी में शामिल हुए थे।

बाबा सिद्दीकी के हत्याकांड के आरोपियों को मुंबई क्राइम ब्रांच दफ्तर लाया गया

बाबा सिद्दीकी का चौथा हत्यारा पंजाब का निकला, पटियाला जेल में लॉरेंस गैंग से दोस्ती

मुंबई में एनसीपी नेता पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में शामिल चौथा आरोपी पंजाब का निकला। यह आरोपी मोहम्मद जीशान अख्तर है। वह जालंधर में नकोदर के शकर गांव का रहने वाला है। जालंधर की रुरल पुलिस ने साल 2022 में इसे ऑर्गेनाइज्ड क्राइम, मर्डर और डकैती के केस में गिरफ्तार किया था।

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस के संदिग्ध की एमपी के उज्जैन में सर्चिंग

मुंबई में एनसीपी (अजित गुट) के नेता बाबा सिद्दीकी के मर्डर केस में उज्जैन कनेक्शन की आशंका है। मुंबई क्राइम ब्रांच उज्जैन पहुंची है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मुंबई क्राइम ब्रांच को पूछताछ में उज्जैन के किसी संदिग्ध के हाथ होने का इनपुट मिला है। टीम इसी संदिग्ध को पकड़ने के लिए रविवार सुबह से उज्जैन में डेरा डाले हुए है। लॉरेंस गैंग का कनेक्शन खंगालने के लिए टीम छापेमारी कर रही है।

मुंबई पुलिस:बाबा सिद्दीकी के पास नहीं थी कैटेगरी सिक्योरिटी

डीसीपी मुंबई पुलिस दत्ता नालावडे ने कहा- कल (शनिवार) पूर्व राज्य मंत्री बाबा सिद्दीकी की निर्मल नगर पुलिस थाना इलाके में हत्या हुई थी। उनको नॉन कैटेगरीज सिक्योरिटी मिली थी। उनकी सुरक्षा में 3 कांस्टेबल तैनात थे। घटना के वक्त सभी पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद था। आरोपी पेपर स्प्रे (मिर्च) लेकर आए थे। पहले स्प्रे करने वाले थे और फिर गोली चलाने वाले थे,लेकिन तीसरे आरोपी शिव कुमार गौतम ने सीधे फायरिंग कर दी।आरोपियों के पास हथियार होने के बावजूद एपीआई दाभाड़े और उनकी टीम ने दो आरोपियों को मौके से पकड़ा था। एक आरोपी मौके से फरार हो गया था। अब क्राइम ब्रांच मामले की जांच कर रही है। क्राइम ब्रांच की तरफ से 15 टीमें टेक्निकल और ग्राउंड इन्वेस्टिगेशन कर रही हैं। दूसरे राज्यों की पुलिस की भी मदद ली जा रही है।आरोपियों के पास से 2 पिस्टल और 28 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। इस घटना में लॉरेंस गैंग के एंगल से भी जांच की जा रही है। जो पोस्ट सर्कुलेट हो रहा है उसकी जांच हम कर रहे हैं।

6 साल से पुणे में काम कर रहा था शिव,गुरमैल जेल से छूटकर मुंबई गया...

मुंबई पुलिस ने कॉन्ट्रैक्ट किलिंग की पुष्टि की है। हत्या में शामिल आरोपियों के नाम शिव, धर्मराज, गुरमेल और जीशान अख्तर हैं। शिव और धर्मराज यूपी के बहराइच के रहने वाले हैं, दोनों का कोई पुराना क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं है। गुरमेल हरियाणा का रहने वाला है। जीशान अख्तर पंजाब के जालंधर का रहने वाला है। धर्मराज और गुरमेल को गिरफ्तार किया गया है। शिव फरार है। बताया जा रहा है कि उसे ही हत्या का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था।

शिव करीब 5-6 साल से पुणे में स्क्रैप व्यापारी के यहां काम कर रहा था। कुछ महीने पहले उसने धर्मराज को भी पुणे में बुला लिया। हत्या का कॉन्ट्रैक्ट देने वाले व्यक्ति ने शिव, धर्मराज की मुलाकात गुरमेल से कराई थी।

गुरमेल कैथल जिले का रहने वाला है। उसने अपने दोस्त के भाई की बर्फ के सुए से 52 वार कर हत्या कर दी थी। जेल में वह गैंगस्टर लॉरेंस के गुर्गों के संपर्क में आ गया। जमानत मिलने के बाद वह मुंबई चला गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, लॉरेंस गैंग ने ही उसे मुंबई बुलाया था।

शूटर्स ने 40 दिन बाबा सिद्दीकी की रेकी की

हरियाणा और यूपी के शूटर्स के नाम हत्या में सामने आए हैं। 3 शूटर्स में से 2 को पुलिस ने अरेस्ट किया है। एक फरार है। एक शूटर हरियाणा और 2 उत्तर प्रदेश के बहराइच के रहने वाले हैं। ये 40 दिन से मुंबई में ही ठहरे थे और सिद्दीकी के घर और बेटे के ऑफिस की रेकी कर रहे थे।

लॉरेंस से जेल में की जाएगी पूछताछ

लॉरेंस अभी गुजरात की साबरमती जेल में बंद है। उसने 14 अप्रैल को सलमान के घर के बाहर फायरिंग कराई थी। जेल में लॉरेंस से पूछताछ की जाएगी। पोस्ट के बाद सलमान खान की सिक्योरिटी भी बढ़ा दी गई है। उनके घर के बाहर अतिरिक्त पुलिस फोर्स तैनात की गई है।

बाबा सिद्दीकी के हत्यारे गरीबी दूर करने मुंबई गए,बन गए लॉरेंस गैंग के कॉन्ट्रैक्ट किलर

मुंबई में हुए बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में बहराइच के दो युवकों का नाम सामने आया है। वारदात में शामिल धर्मराज कश्यप और शिव कुमार उर्फ शिवा गौतम दोनों जिले की कैसरगंज कोतवाली के गंडारा गांव के रहने वाले थे। दोनों परिवार के भरण-पोषण के लिए मुंबई कमाने गए थे।

चौथे आरोपी का नाम मोहम्मद जीशान अख्तर,इसी के नाम पर किराए पर कमरा लिया गया

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में शामिल चौथे आरोपी की पहचान हो गई है। उसका नाम मोहम्मद जीशान अख्तर है। वो अभी फरार है। जीशान ने मुख्य हत्याकांड को अंजाम देने वाले तीनों आरोपियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट दिया था। सूत्रों के मुताबिक, इसी के नाम पर किराए पर कमरा लिया गया था।

हरियाणा के शूटर गुरमेल की दादी बोली-चौराहे पर खड़ा करके गोली मार दो

मुंबई में एनसीपी नेता पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या करने वाला एक शूटर गुरमेल सिंह (23) हरियाणा के कैथल जिले का रहने वाला है। गुरमेल का गांव नरड़ है। 31 मई 2019 को उसने कैथल के रुद्री मंदिर के पास दोस्त के भाई की बर्फ के सुए से 52 वार का हत्या कर दी थी। जिसके बाद उसे अरेस्ट कर लिया गया। पुलिस ने उसे कैथल जेल भेज दिया।जेल में सुधरने की जगह वह गैंगस्टर लॉरेंस के गुर्गों के संपर्क में आ गया। जब उसे जमानत मिली और वह बाहर आया तो गांव में ज्यादा दिन नहीं रुका। वह मुंबई चला गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक लॉरेंस के गुर्गों ने ही उसे मुंबई बुलाया था

महाराष्ट्र के नेता विपक्ष वडेट्टीवार बोले- राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त

महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा- सरकार की नीतियों पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। राज्य के गृह मंत्री को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। जांच के बाद ही घटना की साजिश का पता चल सकेगा, लेकिन इसमें समय लगेगा।

आरोपी गुरमेल 21 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड में,धर्मराज की उम्र को लेकर संशय

किला कोर्ट ने आरोपी गुरमेल को 7 दिन (21 अक्टूबर) की पुलिस रिमांड में भेजा है। वहीं, दूसरे आरोपी धर्मराज की उम्र को लेकर संशय है। उसने खुद को नाबालिग बताया है। कोर्ट ने उसका आधार कार्ड मांगा है।

दो अग्निवीरों की मौत के बाद योजना पर उठा सवाल

» पूछा...शहादत के बाद यह भेदभाव क्यों?

नई दिल्ली,13 अक्टूबर 2024 (ए)। नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीर के निधन पर राहुल गांधी ने कहा कि यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिनका जवाब देने में बीजेपी असफल रही है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अग्निवीर योजना पर फिर से सवाल उठाए हैं। नासिक में दो अग्निवीरों की ट्रेनिंग के दौरान मौत पर बवाल बढ़ने लगा है। राहुल गांधी ने कहा कि 'क्या गोहिल और सैफत के परिवारों को समय पर मुआवजा मिलेगा? उनके शहादत के बाद यह भेदभाव क्यों?'

फायरिंग के दौरान हुआ हादसा

नासिक स्थित मिलिट्री कैंप के आर्टिलरी सेंटर में फायरिंग अभ्यास के दौरान दो अग्निवीरों की जान चली गई। फील्ड गन से निकले गोले के फटने से इन अग्निवीरों की मौत हुई। अब इस मुद्दे पर सियासी पारा चढ़ने लगा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नासिक की घटना पर रिएक्ट किया है। उन्होंने दो अग्निवीरों की शहादत को लेकर एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने एक बार फिर अग्निवीर योजना पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार से कुछ सवाल पूछे हैं।

मुआवजे को लेकर भी उठाया सवाल

राहुल गांधी ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में कहा, 'नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीर गोहिल विश्वराजसिंह और सैफत शित ङ्क का निधन एक दर्दनाक घटना है। उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिनका जवाब देने में बीजेपी सरकार असफल रही है।' राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में बैक टू बैक कुछ सवाल भी उठाए हैं। केंद्र से इन सवालों के जवाब मांगे हैं। उन्होंने कहा कि 'क्या गोहिल और सैफत के परिवारों को समय पर मुआवजा मिलेगा, जो किसी अन्य जवान की शहादत के बराबर हो?'

राहुल गांधीराहुल गांधी ने अगला सवाल किया, 'अग्निवीरों के परिवारों को पेंशन और अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ क्यों नहीं मिलेगा? जब दोनों ही सैनिकों की जिम्मेदारियां और बलिदान समान हैं, तो उनके शहादत के बाद यह भेदभाव क्यों?'

कोलकाता रेप-मर्डर,15 अक्टूबर को देशभर में अनशन करेगा आईएमए

» भूख हड़ताल कर रहा एक और डॉक्टर गंभीर...

» 77 डॉक्टर्स ने इस्तीफे की धमकी दी...

कोलकाता,13 अक्टूबर 2024 (ए)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के विरोध में 5 अक्टूबर से अनशन पर बैठे ट्रेनी डॉक्टरों के समर्थन में आईएमएने अनशन करने का ऐलान किया है।आईएमए ने रविवार को एक स्टेटमेंट जारी कर बताया कि पूरे देश में आईएमए जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क 15 अक्टूबर को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक अनशन करेगा।स्टेटमेंट में कहा गया कि कोलकाता के युवा डॉक्टर अपनी वाजिब मांगों को लेकर अनशन पर हैं। इस आंदोलन को जनता का समर्थन मिल रहा है। आईएमए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से उनकी मांगों को स्वीकार करने की अपील करता है।

वहीं, पश्चिम बंगाल के कल्याणी जेएनएम अस्पताल के 77 डॉक्टरों ने सामूहिक इस्तीफे की धमकी दी है। डॉक्टरों ने ईमेल भेजकर बंगाल हेल्थ यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार को जानकारी दी है कि वे 14 अक्टूबर से काम बंद करने वाले हैं।डॉक्टरों का कहना है कि वे मानसिक रूप से परेशान हैं और ऐसे हालात में काम नहीं कर सकते हैं। वे अपनी मांगों को लेकर बंगाल सरकार के रवैये से भी परेशान हैं, इसलिए जूनियर डॉक्टरों का साथ देने के लिए वे इस्तीफा देने को तैयार हैं।

मां ने मरवाने के लिए दी सुपारी,बेटी ने कर दिया जवाबी वार

महिला को गंवानी पड़ी जान

एटा,13 अक्टूबर 2024 (ए)। यूपी के एटा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना में एक मां ने अपनी ही बेटी की हत्या करवाने की कोशिश की, लेकिन हत्या की साजिश में ही फंस गई। पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक महिला अलका देवी ने अपनी बेटी के प्रेम प्रसंग से परेशान होकर उसकी हत्या के लिए एक किलर को सुपारी दी थी।पुलिस के अनुसार, अलका देवी ने अपनी बेटी के प्रेमी सुभाष सिंह को 50,000 रुपये में यह काम सौंपा था। लेकिन, बेटी को इस बात का पता चल गया और उसने सुभाष के साथ मिलकर अपनी मां को ही मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि अलका देवी अपनी बेटी के प्रेम प्रसंग से काफी परेशान थी। उसने अपनी बेटी को मायके भेज रखा था जहां उसकी मुलाकात सुभाष सिंह से हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। अलका देवी ने अपनी बेटी को मरवाने के लिए सुभाष को सुपारी दी, लेकिन उसे यह नहीं पता था कि सुभाष उसकी बेटी का प्रेमी है। बेटी ने सुभाष से कहा कि अगर वह उसकी मां की हत्या कर देगा तो वह उससे शादी कर लेगी। दोनों ने मिलकर एक साजिश रची और अलका देवी को एक सुनसान जगह पर बुलाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में बेटी और सुभाष सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों ने अलका देवी का गला घोंटकर हत्या की थी।

बेखौफ बदमाशों ने दिनदहाड़े स्कूटी सवार पर चलाई गोली

गुरुग्राम ,13 अक्टूबर 2024 (ए)। हरियाणा के गुरुग्राम के हीरानगर इलाके में रविवार को गोलीबारी की एक घटना सामने आई है। एक बाइक से आए तीन बदमाशों ने स्कूटी सवार को गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोग पीड़ित को अस्पताल ले गए। पूरा वाकया पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। घटना गुरुग्राम के शिवाजी नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत हीरानगर की है। दिन-दहाड़े हुई इस घटना से इलाके में लोग सहमे हुए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों पर हमले

» भारत ने जताई गहरी चिंता,

» बांग्लादेश सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली ,13 अक्टूबर 2024 (ए)। बांग्लादेश में चल रहे दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान हिंदू मंदिरों और पूजा मंडपों पर हुए हमलों की घटनाओं पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इन हमलों की निंदा की है और बांग्लादेश सरकार से अपने अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, ढाका के तांतीबाजार में एक पूजा मंडप पर हुए हमले और सतीखिरा के प्रसिद्ध जेशोरेश्वरी काली मंदिर में सोने के मुकुट की चोरी की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। यह घटनाक्रम मंदिरों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की एक सुनियोजित साजिश की ओर इशारा करता है। बांग्लादेश पुलिस ने इन घटनाओं के सिलसिले में कई लोगों को गिरफ्तार किया है और मामले की जांच कर रही है। बांग्लादेश के पुलिस महानिरीक्षक मोइनुल इस्लाम ने आश्वासन दिया है कि जो कोई भी इन अशांति फैलाने वाली गतिविधियों में शामिल होगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

वांगचुक ने आवाज उठाई

सोनम वांगचुक गांधी जयंती के मौके पर राजधानी आकर अपनी वे शिकायतें सरकार को बताना चाहते थे, जिनको लेकर कई महीनों से वे शक्तिशाली जन आंदोलन चला रहे हैं। लेकिन केंद्र उनसे संवाद तक करने को तैयार नहीं है।समझना मुश्किल है कि शांतिपूर्ण ढंग से अपनी शिकायतें सरकार तक पहुंचाने दिल्ली आए सोनम वांगचुक और उनके समर्थकों को क्यों सिंघु बॉर्डर पर हिरासत में ले लिया गया? वांगचुक गांधी जयंती के मौके पर राजधानी आकर अपनी वे शिकायतें सरकार को बताना चाहते थे, जिनको लेकर कई महीनों से वे शक्तिशाली जन आंदोलन चला रहे हैं। कुछ महीने पहले उन्होंने लद्दाख में अपनी मांगों के समर्थन में लंबा उपवास भी रखा था।लद्दाख में उनकी लोकप्रियता का आलम यह है कि उन्हें हिरासत में लिए जाने की खबर पहुंचते ही स्वतःस्फूर्त ढंग से पूरे इलाके में आम हड़ताल हो गई। वांगचुक की निर्दलीयता निर्विवाद है। जिस समय कश्मीर में अधिकांश ताकतें धारा 370 हटाने के खिलाफ थीं,वांगचुक ने इस कदम और लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने का समर्थन किया था। लेकिन जब उन कदमों से लद्दाख की उम्मीदें पूरी नहीं हुईं, तो वांगचुक ने आवाज उठाई। इसी बीच चीन ने लद्दाख के बड़े इलाके में घुसपैठ कर ली, जिससे वहां के चरवाहों की जमीन उनकी पहुंच से बाहर हो गई। वांगचुक ने यह सवाल भी उठाया।शायद यही बात नरेंद्र मोदी सरकार को चुभ गई, क्योंकि ये मसला उसकी दुखती नब्ज है। वांगचुक और उनके डेढ़ सौ समर्थकों ने एक सितंबर को लेह से दिल्ली तक पैदल यात्रा शुरू की थी। 30 सितंबर को जब यात्रा सिंघु बॉर्डर के रास्ते दिल्ली में दाखिल हुई, तो पुलिस ने वांगचुक और उनके समर्थकों को हिरासत में ले लिया। लद्दाख के लोग पिछले पांच साल लद्दाख में विधानसभा बनाने, लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और उसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। इनके अलावा लेह और कारगिल के लिए लोकसभा की सीटें और राज्यसभा में भी प्रतिनिधित्व की भी मांग है। वांगचुक ने चीनी कब्जे से लद्दाख के इलाके को छुड़ाने की मांग भी रखी है। इसके अलावा चूंकि वे पर्यावरणवादी कार्यकर्ता हैं, इसलिए लद्दाख के बिगड़ते पर्यावरण को संभालने के कदम उठाना भी उनकी एक प्रमुख मांग है। मगर सरकार को इन मांगो से परेशानी है। उनसे संवाद तक करने को वह तैयार नहीं है।

देश में कई दल परिवारवाद से ग्रस्त

द्रमुक के मुखिया और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पार्टी के भीतर वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी करते हुए अपने 46 वर्षीय पुत्र उदयनिधि स्टालिन को उप-मुख्यमंत्री नियुक्त कर दिया। 29 सितंबर को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा उदयनिधि के साथ चार और मंत्रियों को पद-गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। तमिलनाडु और द्रमुक में ऐसा पहली बार नहीं है, जब पिता मुख्यमंत्री और बेटा उप-मुख्यमंत्री रहे हो।भारतीय राजनीति को परिवारवाद किस प्रकार अपनी ज़द में ले चुका है, तमिलनाडु का हालिया घटनाक्रम उसका उदाहरण है। यहां द्रविड़ मुनेत्र कडग़म (द्रमुक) के मुखिया और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पार्टी के भीतर वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी करते हुए अपने 46 वर्षीय पुत्र उदयनिधि स्टालिन को उप-मुख्यमंत्री नियुक्त कर दिया। 29 सितंबर को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा उदयनिधि के साथ चार और मंत्रियों को पद-गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। तमिलनाडु और द्रमुक में ऐसा पहली बार नहीं है, जब पिता मुख्यमंत्री और बेटा उप-मुख्यमंत्री रहे हो।वर्ष 2009 में एमके स्टालिन को भी उनके पिता और तत्कालीन मुख्यमंत्री एम।करुणानिधि ने उप-मुख्यमंत्री बना दिया था। जहां स्टालिन की चुनावी राजनीति की शुरूआत वर्ष 1984 में हुई, तो वही स्टालिन के बेटे उदयनिधि पहली बार वर्ष 2021 में विधायक चुने गए। डेढ़ साल बाद ही उदयनिधि मंत्रिमंडल में शामिल हो गए, तो अब वे राज्य के उपमुख्यमंत्री है। ये वही उदयनिधि है, जिन्होंने गत वर्ष सनातन संस्कृति की डेंगू-मलेरिया-कोरोना आदि बीमारियों से तुलना करते हुए उसे समाप्त करने की बात कही थी।करुणानिधि परिवार की तीसरी पीढ़ी उदयनिधि का हालिया प्रमोशन ऐसे समय हुआ है, जब द्रमुक अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। वर्ष 1949 में सी।एन। अन्नादुरै ने पार्टी की स्थापना की थी। 1969 में उनकी मृत्यु के बाद पार्टी की कमान करुणानिधि के पास चली गई, जो तब प्रदेश के मुख्यमंत्री भी बने। उन्होंने अपने परिवार को राजनीति में आने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने बेटे स्टालिन को उत्तराधिकारी बनाने की हठ ने वैको जैसे नेताओं को दरकिनार कर दिया, जो तब करुणानिधि के बाद पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त थे। इस कलह के कारण 1994 में द्रमुक का विभाजन हो गया। पार्टी में स्टालिन को अगली चुनौती उनके ही बड़े भाई एम।के। अलागिरी से ही मिली, जिन्हें 2014 में पार्टी से निकाल दिया गया। करुणानिधि की बेटी कनिमोझी पार्टी की लोकसभा सांसद है। द्रमुक के भीतर स्टालिन के बाद उदयनिधि के उभार के खिलाफ बहुत कम चुनौती दिखती है।गांधीजी परिवारवाद के मुखर विरोधी थे। स्वतंत्रता के बाद उनके बड़े बेटे हरिलाल ने लावारिसों की भांति मुंबई स्थित अस्पताल में दम तोड़ा था। परंतु गांधीजी के नाम पर राजनीति करते हुए स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी इकलौती पुत्री इंदिरा गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष बनाकर देश में वंशवादी राजनीति का बीजारोपण कर दिया। उस कालखंड में अधिनायकवादी मानसिकता का परिचय देते हुए इंदिरा ने पं।नेहरू को जनता द्वारा चुनी केरल की तत्कालीन वाम सरकार को बर्खास्त करने और वहां राष्ट्रपति शासन थोपने के लिए विवश कर दिया था। इस घटनाक्रम ने कांग्रेस में एक व्यक्ति और एक परिवार के साथ पूर्ण देश और पार्टी की पहचान को जोडऩे की गैर-लोकतांत्रिक परंपरा की नींव डाल दी।व्यक्तिवाद से प्रेरित होकर इंदिरा ने न केवल देश पर आपातकाल (1975-77) थोप दिया, साथ ही अपने छोटे बेटे संजय गांधी को अपना उत्तराधिकारी भी बनाना शुरू कर दिया। तब संजय बिना के किसी अधिकार के तत्कालीन इंदिरा सरकार के कामकाज में दखल देते थे। जून 1980 में हवाई दुर्घटना में संजय की मौत के बाद राजीव औपचारिक रूप से राजनीति में आए, जो कालांतर में अपनी मां की निर्मम हत्या के बाद देश के प्रधानमंत्री बन गए। इसके बाद कुछ अपवाद को छोड़ दें, तो कांग्रेस पर प्रत्यक्ष-परोक्ष से नेहरू-गांधी परिवार (सोनिया-राहुल-प्रियंका) का प्रभुत्व है और पार्टी में योग्यता-प्रतिभा का स्तर इसी परिवार तक सीमित है। पिछले सात दशकों में कांग्रेस ने जो वंशवाद प्रेरित राजनीतिक नजीर पेश की है, उसका नतीजा है कि देश में कई दल (छत्रप सहित) परिवारवाद से ग्रस्त हो चुके है, जो वर्तमान समय में सत्तापक्ष और विपक्ष– दोनों में मिल जाएंगे। समाजवादी पार्टी की स्थापना मुलायम सिंह यादव ने की थी।

-बलबीर पुंज-

महान गणितज्ञ के जन्मदिन पर विशेष

दुनिया के महान गणितज्ञों में से एक थे रॉबर्ट सिमसन

संजय गोस्वामी
मुंबई, महाराष्ट्र

रॉबर्ट सिमसन एक स्कॉटिश गणितज्ञ थे, जिनका जन्म 14 अक्टूबर 1687 वेस्ट किलब्राइड, आयरशायर, स्कॉटलैंड में हुआ जो त्रिभुज की सिमसन रेखा के लिए सबसे ज़्यादा जाने जाते थे, हालाँकि वे इसके पहले खोजकर्ता नहीं थे। रॉबर्ट सिमसन जॉन सिमसन और एग्नेस सिमसन (नी सिमसन) के सबसे बड़े बेटे थे। सिमसन की माँ के 17 बच्चे थे, सभी लड़के थे, जिनमें से केवल छह ही वयस्क हो पाए। सिमसन ने 3 मार्च 1702 को एक छात्र के रूप में ग्लासगो विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, उस समय उनकी आयु 14 वर्ष थी, और उन्होंने रीजेंट जॉन ट्रान के साथ अध्ययन किया। उन्होंने क्लासिक्स, प्राच्य भाषाओं और वनस्पति विज्ञान में खुद को पारंगत बनाया । उनके पिता का इरादा था कि रॉबर्ट चर्च में प्रवेश करें, और यह केवल संयोग से हुआ कि उनकी रुचि गणित में बदल गई। धर्मशास्त्र के छात्र के रूप में उन्हें अपने शिक्षकों के लिए लिखित कार्य तैयार करने की आवश्यकता थी। यह उन्हें असंतोषजनक लगा, क्योंकि उन्हें लगा कि यह तर्क अनिर्णायक और अटकलबाज़ी है । मनोरंजन के लिए उन्होंने सबसे पहले प्राच्य भाषाविज्ञान पर एक पुस्तक पढ़ी, जहाँ उन्हें ऐसे कथन मिले जिन्हें सत्य या असत्य सिद्ध किया जा सकता था, लेकिन यह पूरी तरह से संतोषजनक नहीं था और उस स्तर पर उन्होंने गणित और यूक्लिड के तत्वों का सहारा लिया। फिर उन्होंने गणित का गंभीरता से अध्ययन करने के लिए काम करना शुरू किया, लेकिन उन्हें यह अपने आप ही करना पड़ा, क्योंकि उस समय, किसी कारण से, प्रोफेसर रॉबर्ट सिंक्लेयर द्वारा इस विषय पर कोई व्याख्यान नहीं दिया गया था। । आम तौर पर यह माना जाता है कि रॉबर्ट सिमसन ने 1710 तक लगभग आठ साल की अवधि के लिए एक छात्र के रूप में विश्वविद्यालय में भाग लिया, यह उस समय अध्ययन की एक सामान्य अवधि नहीं थी। 1710 में प्रोफेसर रॉबर्ट सिंक्लेयर ने इस्तीफा दे दिया, और सिमसन को उसके कुर्सी की पेशकश की गई। वह इसे तुरंत स्वीकार करने के लिए अनिच्छुक थे, और उन्होंने लंदन में कुछ समय बिताने की अनुमति मांगी, जहाँ उन्हें इंग्लैंड के कुछ सबसे प्रतिष्ठित गणितज्ञों से परिचित होने का अवसर मिल सकता था। यह वह तुरंत लंदन चले गए जहाँ उनकी मुलाकात कई जाने-माने गणितज्ञों से हुई, जैसे एडमंड हैली, जॉन कैसवेल (मृत्यु 1712), ऑक्सफोर्ड में ज्यामिति के सेविलियन प्रोफेसर, थे विलियम जोन्स और अंत में हम्फ्री डिट्टन (1675-1715),क्राइस्ट में गणितीय मास्टर थे,जिनके साथ सिमसन विशेष रूप से मित्रवत थे। लंदन में रहते हुए उन्हें बताया गया कि 8 मार्च 1711 के गणित फैकल्टी द्वारा उन्हें ग्लासगो चेयर के लिए नामित किया गया था, बशर्ते कि वह अपने प्रवेश से पहले गणित में अपने कौशल का संकाय को संतोषजनक प्रमाण दें। वह ग्लासगो लौट आए, जहाँ 10 नवंबर 1711 को उन्हें हल करने के लिए दो ज्यामितीय समस्याएँ दी गईं। इन विषयों को उन्होंने संकाय की संतुष्टि के अनुसार निपटाया जिसके बाद उन्होंने गणित में अपने कौशल और ज्यामिति तथा बीजगणित पढ़ाने में निपुणता का अद्धभुत नमूना पेश किया, उन्होंने ऑक्सफोर्ड में खगोल विज्ञान के प्रोफेसर श्री कैसवेल और लंदन में गणित में कुशल अन्य लोगों से पर्याप्त प्रशंसापत्र भी प्रस्तुत किए, जिसके आधार पर संकाय ने उन्हें इस तत्काल नवंबर के उन्नीसवें दिन प्रवेश देने का निर्णय लिया। अपने प्रवेश से तीन दिन पहले उन्होंने कला में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। जब वे इंग्लैंड में थे, तब एडमंड हैली ने उन्हें सुझाव दिया कि वे अपनी काफी प्रतिभा को यूक्लिड और पेर्गा के अपोलोनियस जैसे प्रारंभिक ग्रीक ज्यामितिज्ञों के काम को जारी रखें । ये ऐसे कार्य हैं जो केवल बाद के गणितज्ञों जैसे कि अलेक्जेंड्रिया के पप्पस द्वारा दिए गए संक्षिप्त विवरणों में प्रकाशित था । उन्होंने सबसे पहले यूक्लिड के तथाकथित पोरिज्म का अध्ययन किया। प्लेफेयर की 1792 में दी गई पोरिज्म की परिभाषा 70 से ज़्यादा अलग-अलग संस्करण, संशोधन या अनुवाद 1756 में पहली बार ग्लासगो में प्रकाशित हुए, जबकि अन्य ग्लासगो, एडिनबर्ग, डबलिन, लंदन, कैम्ब्रिज, पेरिस और कई अन्य यूरोपीय और अमेरिकी शहरों में प्रकाशित हुए। हाल के संस्करण 1933 में लंदन और टोरंटो में इसहाक टॉडहंटर के संपादन में और 1944 में साओ पाओलो में प्रकाशित हुए। सिमसन के व्याख्यान लैटिन में दिए गए थे, कम से कम उनके करियर की शुरुआत में। उनके सबसे महत्वपूर्ण लेखन उसी भाषा में लिखे गए थे, हालाँकि, लैटिन में इसके पहले प्रकाशन के बाद यूक्लिड का उनका संस्करण अंग्रेजी में प्रकाशित हुआ, जैसा कि उन्होंने अपने छात्रों के लाभ के लिए शंकु वर्गों पर एक ग्रंथ लिखा था। एक ज्यामितिज्ञ के रूप में उनकी प्रतिष्ठा हमेशा बहुत ऊँची रही है, हालाँकि, एक आलोचक के रूप में उन्होंने लिखा सिमसन ने पाठ को उसकी मूल सटीकता पर बहाल करने के लिए जो परिविर्धन और परिवर्तन किए, वे निश्चित रूप से उनमें से सभी सुधार नहीं हैं, और उनके द्वारा जोड़े गए नोट्स दिखाते हैं कि वे प्राचीन काल के महान ज्यामितिज्ञों को किस श्रद्धा से देखते थे। कुछ लोगों का मानना था कि अपने प्रयासों को केवल एक संपूर्ण पाठ की प्राप्ति तक सीमित करके, उन्होंने अपने विषय की अधिक उपयोगी व्याख्या के लिए अपनी प्रतिभा और अंतर्दृष्टि को लागू करने का अवसर खो दिया। सिमसन के लिए गणितीय तर्क प्रस्तुत करने का सबसे अच्छा साधन ज्यामिति था और, हालाँकि वे बीजगणित और कैलकुलस में अनंत कलन शोध किया जो आज के गणित के विकास महत्वपूर्ण है,फिर भी जहाँ भी संभव हो, उन्होंने खुद को ज्यामितीय शब्दों में व्यक्त करना पसंद किया। बेशक, वे इसमें अकेले नहीं थे,क्योंकि न्यूटन ने भी अपने प्रिंसिपिया को लिखते समय यही दृष्टिकोण अपनाया था। सिमसन का काम ग्रीक ज्यामिति तक सीमित नहीं था,यह ट्वीडल के पेपर से स्पष्ट होता है, जिसमें उन्होंने सिमसन की एक प्रारंभिक पांडुलिपि पर चर्चा की है, जो व्युत्क्रम स्पर्शरेखा श्रृंखला और की गणना में उनके उपयोग से संबंधित है। पचास वर्षों तक सिमसन ने अपनी दो मुख्य कक्षाओं में सत्र के दौरान सप्ताह में पाँच दिन व्याख्यान दिया। सभी खातों से वे एक अच्छे व्याख्याता थे, हालाँकि अपने जीवन के अंत में वे अपने युवा दिनों की तुलना में बेहतर थे, जब उनकी अनुपस्थिति ने उन्हें व्यावहारिक चुटकुलों का शिकार बना दिया। उनके कई शिष्यों ने गणित में उत्कृष्टता हासिल की, विशेष रूप से मैकलॉरिन, स्टीवर्ट, जॉन रॉबिसन जो एडिनबर्ग और ट्रेल विश्वविद्यालय में प्राकृतिक दर्शन के प्रोफेसर बन गए। सिमसन एक अच्छे दिखने वाले व्यक्ति थे, लंबे कद के और हल्के रंग के कपड़े पसंद करते थे। वह अविवाहित थे और इसलिए कॉलेज में उनके पास जो विशाल घर था, उसका उन्हें कोई उपयोग नहीं था, लेकिन वे वहीं कमरों में रहते थे। उन्होंने अपना सारा खाना, जिसमें नाश्ता भी शामिल था, कॉलेज के गेट के सामने एक छोटी सी सराय में खाया, जिसे श्रीमती मिलर चलाती थीं। उन्हें आगंतुकों को कॉलेज के चारों ओर दिखाने में खुशी होती थी और एंटोनिन वॉल और उसके आस-पास से आने वाले रोमन पुरावशेषों के विशाल संग्रह के बारे में उन्हें बहुत जानकारी थी। रेवरेंड अलेक्जेंडर कार्लाइल के अनुसार उन्हें महिलाओं की संगति से विशेष रूप से परहेज था, और साल में एक दिन को छोड़कर, जब वे प्रिंसिपल कैंपबेल के यहाँ चाय पीते थे और अपनी बेटी मैली के साथ उल्लास और सहजता से बातचीत करते थे, जो हमेशा उनकी पहली पसंद होती थी, वे कभी भी महिलाओं के साथ नहीं रहते थे। कहा जाता है कि युवावस्था में उनके साथ ऐसा नहीं था, और वह एक महिला से बहुत जुड़े हुए थे, जिसके सामने उन्होंने प्रस्ताव रखा था,लेकिन जब उसने मना कर दिया तो वह सेक्स से घृणा करने लगे। मेरे परिवार से परिचित होने से पहले ही वह महिला मर चुकी थी, लेकिन मैं उसके पति को जानता था, और मुझे यह स्वीकार करना होगा कि अपनी पसंद में महिला ने हाइपरियन के बजाय सैटायर को प्राथमिकता दी थी। सिमसन एक मिलनसार व्यक्ति थे। शुक्रवार की शाम को वह पास के एक सराय में एक क्लब में दोस्तों से मिलते थे, जहाँ वह व्हिस्ट खेलते थे, एक ऐसा खेल जिसमें वह माहिर थे। इसके बाद बातचीत और गायन का दौर चलता था। उन्हें समकालीन संगीत पर सेट ग्रीक ओड्स गाने का शौक था। हर शनिवार को वह अकेले या साथ में, पास के गांव एंडरस्टन में एक सराय में जाते थे, जहाँ वह अपने खास दोस्तों और ग्लासगो के किसी भी आगंतुक की मेजबानी करते थे, जिन्हें उन्होंने अपने साथ खाने के लिए आमंत्रित किया था। वह एक बहुत ही व्यवस्थित व्यक्ति थे और कॉलेज के बगीचे और अन्य जगहों पर रोजाना टहलते हुए, वह एक जगह से दूसरी जगह तक के कदमों की संख्या गिनते थे। रॉबर्ट सिमसन क्लर्क (जिसे बाद में सीनेट के क्लर्क के रूप में जाना जाता था) के पद पर नियुक्त होने वाले पहले व्यक्ति थे, जिसे उन्होंने 1728 में संभाला और 1761 में सेवानिवृत्त होने के बाद ही पद छोड़ा। 1761 में वे पचास वर्षों तक इस पद पर रहने के बाद सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने अपनी मृत्यु तक टॉवर में अपने कमरे रखे, लेकिन अपना कॉलेज हाउस छोड़ दिया, जिसमें वे कभी नहीं रहे थे। अपनी मृत्यु से कुछ साल पहले तक सिमसन अच्छे स्वास्थ्य में रहे, जिस अवधि के दौरान उन्हें अपने ज्यामितीय लेखन को संशोधित करने में सहायता के लिए एक लिपिकार को नियुक्त करना पड़ा। गणित के पद से सेवानिवृत्त होने से एक साल पहले, सिमसन ने प्रस्ताव दिया था कि उनके सहयोगी जेम्स बुकानन, ओरिएंटल भाषाओं के प्रोफेसर, उन्हें उनके शिक्षण कर्तव्यों से मुक्त कर दें, बशर्ते कि वे सेवानिवृत्त होने पर पदभार संभालें, लेकिन कोई भी कार्रवाई किए जाने से पहले बुकानन की मृत्यु हो गई। 1761 में सेवानिवृत्त होने से पहले सिमसन ने शर्त रखी कि उनके सहायक जेम्स विलियमसन को उनका उत्तराधिकारी बनाया जाए, और इस पर सहमति बन गई। एक प्रस्ताव है जो ऐसी स्थितियों को खोजने की संभावना की पुष्टि करता है जो किसी निश्चित समस्या को अनिश्चित बना देगा, या असंख्य समाधानों में सक्षम होगा। यूक्लिड के पोरिज्म पर सिमसन का काम 1723 में रॉयल सोसाइटी के फिलॉसॉफिकल ट्रांजेक्शन में प्रकाशित हुआ था, और अपोलोनियस के लोकी प्लैनी की उनकी बहाली 1749 में सामने आई थी। पोरिज्म और लॉगरिदम सहित अन्य विषयों पर उनके आगे के काम को लॉर्ड स्टैनहोप ने 1776 में मरणोपरांत शोध लेख को अपने खर्च पर प्रकाशित किया था। सिमसन ने खुद को यूक्लिड के तत्वों के एक संस्करण को यथासंभव सही रूप में तैयार करने का कार्य निर्धारित किया, और यूक्लिड की पुस्तकों 1-6, 11 और 12 का उनका संस्करण कई वर्षों तक मानक पाठ था और ज्यामिति पर लिखी पाठ्यपुस्तकों का आधार बना। अन्य लेखकों द्वारा. काम जोरों से चला. उनकी मृत्यु 1 अक्टूबर 1768 को ग्लासगो, स्कॉटलैंड में हुई लेकिन गणित में बिजगणित के सिद्धांतो को लोग आज भी लोग पढ़ते हैं और शोध करते हैं.

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सुनो नाथ भोले

घटती-घटना
कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
इंदौर (मध्यप्रदेश)

सुनों नाथ भोले अब मेरी,
जो उलझी है वो सुलझा दो,
बहुत हो गई दौडा-दौडी,
उर झंकृत कर नाद सुना दो।
सुनों नाथ ....
छवि तुम्हारी जब ना दिखती,
मन गुमसुम-सा रहता है,
आने की सुनकर मेरा तन,
मृग छोने-सा होता है।
सुनों नाथ .....
कदमों के कंपन का ये स्वर,
कानों में बिंध जाता है,
प्रेम,प्यार की अलख जलाता,
मन भोले से मिल जाता है।
सुनों नाथ ....
कभी जटा से बहती गंगा,
नयनों में बस जाती है,
छटा भोले की एक-एक मन में,
राग नया भर जाती है।
सुनों नाथ ....
अधरों पर फिर नाम भोले का,
पल-पल आता रहता है,
जन्म-मृत्यु के फेरे से फिर,
मन कभी नहीं घबराता है।
सुनों नाथ ....

भविष्य की राह : ईवी चार्जिंग के लिए दिशा निर्देश

भारत का लक्ष्य 2070 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य करना है,इसलिए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परिवहन क्षेत्र को कार्बन-मुक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, ईवी को व्यापक रूप से अपनाना एक विश्वसनीय और सुलभ चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करता है। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और संचालन के लिए दिशानिर्देश 2024 जारी किए हैं। यह देश भर में चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना में तेज़ी लाने के लिए डिज़ाइन किया गया एक ढांचा है। एक मज़बूत ईवी चार्जिंग नेटवर्क का निर्माण न केवल सुविधा के लिए बल्कि ऊर्जा, सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा का लाभ उठाने और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस विकास से नए उद्योग सृजन, रोजग़ार पैदा करने और नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी तकनीक और स्मार्ट ग्रिड सिस्टम में नवाचार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए दिशा निर्देश 2024 की मुख्य विशेषताएं दिशा निर्देश 2024 शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों एवं दोपहिया वाहनों से लेकर भारी-भरकम ट्रकों तक, विभिन्न प्रकार के वाहनों की ज़रूरतों को पूरा करने वाले चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के तेज़ गति से विस्तार को सुनिश्चित करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रदान करते हैं। दिशा-निर्देश 2024 की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं-सार्वजनिक और निजी चार्जिंग स्टेशन- दिशा-निर्देश 2024 में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित अंतराल पर सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण अनिवार्य किए गए हैं, ताकि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच सुनिश्चित किया जा सके। ईवी को प्रोत्साहित करने के लिए इसकी उपलब्धता महत्वपूर्ण है। वे आवासीय परिसरों, कार्यालयों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में निजी चार्जिंग पॉइंट को बढ़ावा देते हैं। यह व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए पहुंच को सरल बनाते हैं और शहरी और उपनगरीय निवासियों के बीच ईवी अपनाने को और बढ़ावा देते हैं। एक इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ता के रूप में, आपको दिल्ली से शिमला की यात्रा करते समय अपनी ईवी बैटरी चार्ज करने की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आपको राजमार्ग पर प्रत्येक 20 किलोमीटर पर एक चार्जिंग प्वाइंट मिल जाएगा। शहर में आने के बाद, आप बिना किसी चिंता के अपने घर या कार्यालय में चार्ज कर सकते हैं।पारस्परिकता (इंटरऑपरेबिलिटी) दिशा-निर्देश 2024 की एक प्रमुख विशेषता विभिन्न चार्जिंग नेटवर्क के बीच पारस्परिकता पर जोर देना है। इसका मतलब है कि ईवी उपयोगकर्ता चार्जिंग उपकरण के निर्माता या वाहन के प्रकार की चिंता किए बिना किसी भी चार्जिंग स्टेशन पर अपने वाहन चार्ज कर सकेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर व्यापक रूप से सुलभ और उपयोगकर्ताओं के अनुकूल हो। ईवी उपयोगकर्ताओं के लिए, पारस्परिकता संभावित रूप से कम शुल्क के साथ कई चार्जिंग नेटवर्क तक पहुंच को सक्षम करके अधिक सुविधा, लचीलापन, कम रेंज की चिंता, लागत बचत प्रदान करती है। इसलिए, अगली बार जब आप यात्रा करेंगे, तो आप हाईवे पर या शहर में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन पर अपने ईवी को चार्ज करने के लिए लंबी कतार में इंतजार करते हुए निराश नहीं होंगे। चार्जर्स की पारस्परिकता के लिए धन्यवाद, आप निकटतम चार्जिंग स्टेशन का अविलंब पता लगाने के लिए किसी भी चार्जिंग सेवा प्रदाता के मोबाइल ऐप का उपयोग कर सकते हैं।

स्मार्ट चार्जिंग: दिशा-निर्देश 2024 स्मार्ट चार्जर्स के उपयोग को बढ़ावा देते हैं, जो ऊर्जा खपत को अनुकूलित करने के लिए ग्रिड प्रबंधन प्रणालियों के साथ एकीकृत होते हैं। स्मार्ट चार्जर उपयोगकर्ताओं को व्यस्त समय के अलावा (ऑफ-पीक) चार्जिंग सत्र शेड्यूल करने से बिजली की मांग कम होती है। इससे लागत कम होती है और पावर ग्रिड पर बोझ कम करता है। स्मार्ट चार्जर उपयोगकर्ताओं को ऑफ-पीक घंटों के दौरान चार्जिंग शेड्यूल करके लागत कम करने में सक्षम बनाता है। यात्रा के लिए चार्जिंग स्टेशन की उपलब्धता पर वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करते हैं। एक डिस्कॉम के रूप में, आप अपने ग्रिड को स्थिर करने में मदद करने के लिए स्मार्ट ईवी चार्जर्स को प्राथमिकता देंगे। ईवी को सिस्टम में आसानी से एकीकृत करने की अनुमति देंगे, क्योंकि अप्रबंधित चार्जिंग आपके ग्रिड को ओवरलोड कर आपके परिचालन व्यय को बढ़ा सकती है तथा ग्रिड की विश्वसनीयता एवं स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।सुरक्षा और विश्वसनीयता मानकः दिशा-निर्देश 2024 में चार्जिंग स्टेशनों के लिए कड़े सुरक्षा मानकों को अनिवार्य किया गया है, जिसमें अग्नि सुरक्षा, विद्युत खतरे से सुरक्षा और स्पष्ट संकेत शामिल हैं, जो सार्वजनिक स्टेशनों के लिए उपयोगकर्ता की चिंताओं को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, उन्हें अनुपलब्ध चार्जिंग पॉइंट के कारण ड्राइवरों को फंसे रहने से बचाने के लिए राजमार्ग स्टेशनों पर निर्बाध सेवा की आवश्यकता होती है। इसलिए, एक ईवी उपयोगकर्ता के रूप में, सुरक्षित, उच्च-गुणवत्ता वाले और विश्वसनीय चार्जर होने का मतलब है कि आपको बिजली के झटके, आग या किसी खराबी जैसे संभावित खतरों के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इससे आपको मन की शांति मिलती है और आपका वाहन सुरक्षित रूप से चार्ज होता है। साथ ही, विश्वसनीय चार्जर के साथ, आप दोषपूर्ण उपकरणों के कारण आप रास्ते में फंसेंगे नहीं और इससे आपकी यात्रा आसान और तनाव मुक्त रहेगी। निजी निवेश को प्रोत्साहन एवं बढ़ावा- सरकार ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को बढ़ावा देने और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए भूमि की उपलब्धता बढ़ाने हेतु अभिनव व्यवसाय मॉडल को प्रोत्साहित करने के लिए कई तरह के वित्तीय प्रोत्साहन दे रही है। इन उपायों का उद्देश्य ईवी चार्जिंग पर लागत कम करना और विशेष रूप से ग्रामीण और कम सेवा वाले क्षेत्रों में इसकी स्थापना को सरल बनाना है। इस संबंध में जारी दिशा-निर्देश सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) को चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना में तेज़ी लाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। निजी क्षेत्र के संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, स्थानीय सरकारें ईवी चार्जिंग नेटवर्क का अधिक कुशलता से विस्तार कर सकती हैं। चार्जिंग व्यवसाय में निवेश करने को उत्सुक एक चार्ज पॉइंट ऑपरेटर के रूप में आपको पता चलता है कि चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने से जुड़ी सबसे बड़ी लागत भूमि है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग, सस्ती भूमि तक पहुंच और प्रचार आपूर्ति शुल्क की उपलब्धता के साथ, आप अपने शुरुआती निवेश और परिचालन व्यय को काफी कम कर सकते हैं। रणनीतिक स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित करके, आप ईवी चलाने वालों को बेहतर सेवा दे सकते हैं और अधिक मजबूत चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में योगदान दे सकते हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।अक्षय ऊर्जा- ईवी के संबंध में दिशा-निर्देश सौर और पवन जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों के साथ चार्जिंग स्टेशनों को जोडऩे को बढ़ावा देते हैं। यह सुनिश्चित करते हैं कि ईवी स्वच्छ ऊर्जा से संचालित हों और उनके पर्यावरणीय प्रभाव को कम करें। आप अपने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने और अपनी चार्जिंग लागत को कम करने के लिए अपनी ईवी बैटरी को अक्षय ऊर्जा से चार्ज करना पसंद करेंगे। आप छूट का लाभ उठाने के लिए सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे के बीच सौर घंटों के दौरान सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन, निवास या कार्यालय में चार्ज करना पसंद करेंगे। इस तरह, आप पहले से ही व्यस्त ग्रिड पर लोड बढ़ाए बिना और शाम के व्यस्त घंटों के दौरान कटौती के समय (आउटेज) में योगदान दिए बिना अपने ईवी को चार्ज कर सकते हैं।ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और संचालन के लिए दिशा-निर्देश 2024 भारत के एक स्थायी ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में चुनौतियों का समाधान करके और ईवी अपनाने को बढ़ावा देने वाले ये दिशा-निर्देश एक स्वच्छ परिवहन प्रणाली का आधार तैयार करते हैं। एक व्यापक ईवी चार्जिंग नेटवर्क जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करेगा, वाहनों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करेगा और वायु गुणवत्ता में सुधार करेगा, जो भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप होगा।

-समीर पंडित-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

दशहरे की रात असामाजिक तत्वों ने घर का ताला तोड़कर लगाई आग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

दशहरे की रात शनिवार को मणिपुर थाना क्षेत्र के कबीर वार्ड दर्रीपारा में असमाजिक तत्वों ने एक कच्चे मकान में आग लगा दी। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में घर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया है। घर वालों ने रंजिशवश आग लगाने का आरोप लगाया है।

जानकारी अनुसार बैजू राम प्यारे मणिपुर थाना क्षेत्र के कबीर वार्ड दर्रीपारा का रहने वाला है। शनिवार को वह पत्नी के साथ दशहरा मनाने अपने घर से कुछ दूरी पर अपनी बेटी के घर गया हुआ था। देर रात होने की वजह से पति-पत्नी बेटी के घर ही रूक गए। रात करीब 1 बजे पड़ोसियों ने जाकर घर में आग लगने की जानकारी बैजू को दी। सूचना पर मौके पर पहंचे परिजन ने देखा कि उसका पूरा घर आग की लपटों से घिरा है। लागों ने आग लगने की जानकारी फायर ब्रिगेड टीम को दी। सूचना पर टीम मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिया की। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। कच्चे मकान में आग लगने से देखते ही देखते विकराल रूप से लिया। आगजनी से घर का सारा सामान जलकर खाक गया। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। आगजनी से बड़ी नुकसान होने की संभावना है। बैजू राम प्यारे ने बताया कि उसका जमीन को लेकर पास के ही एक व्यक्ति से विवाद चल रहा है। कल मौके का फायदा उठाते हुए घर में आग लगा दिया गया है। उन्होंने आशंका व्यक्त की है कि घर का ताला तोडक़र आलमारी और बिस्तर में आग लगाने से जल्द ही आग ने भयावह रूप ले लिया और पूरा घर जलकर खाक हो गया है।

दोस्तों के साथ नदी में नहाने गये मेडिकल कॉलेज के छात्र की डूबने से हुई मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के नजदीक मेंड्रा स्थित सिंगिटाना नदी में नहाने के दौरान मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर के एक छात्र की डूबने से मौत हो गई। एसडीआरएफ की टीम और ग्रामीणों की मदद से नदी में डूबे छात्र का शव बरामद कर लिया गया है। मामले में मणिपुर पुलिस जांच कर रही है।

कवर्धा निवासी ईशु चंद्राकर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में 2022 बैच का छात्र था। वह एमबीबीएस सेकेंड इयर में अध्ययनरत था। छात्र ने मेडिकल कॉलेज से 11,12 व 13 अक्टूबर को 3 दिन की छुट्टी ली थी, लेकिन वह घर न जाकर अंबिकापुर में ही था। रविवार की सुबह करीब 10.30 बजे वह एमबीबीएस के ही 3 अन्य छात्रों व 3 एमबीबीएस पूरा कर चुके छात्रों के साथ ग्राम सिंगीटाना स्थित घुनघुट्टा नदी में नहाने गया था। ईशु व एक अन्य छात्र नहा रहे थे। ईशु को तैरना नहीं आता था। इसी दौरान दोनों छात्र डूबने लगे। यह देख अन्य छात्रों ने एक को किसी तरह बचा लिया, लेकिन ईशु चंद्राकर गहरे पानी में डूब गया और उसकी मौत हो गई। मणिपुर थाना प्रभारी दुर्गेश्वरी चौबे ने बताया कि मृतक ईशु चंद्राकर के साथ कवर्धा निवासी सौरभ चंद्रवंशी, मुकेश सोनी बीजापुर, प्रांजल पैंकरा बिशुनपुर, कामेश सलाम बस्तर, मनीष साहू नागपुर व कोंडागांव निवासी शुभम प्रधान नहाने गए थे। इनमें से 3 मेडिकल स्टूडेंट हैं, जो मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में रहते हैं, जबकि 3 बाहर किराए के मकान में रहते हैं। घटना की सूचना मिलते ही मणिपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम भी डूबे छात्र को निकालने पहुंची थी। वह स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव की तलाश कर रही थी। इसी दौरान एक ग्रामीण द्वारा गहराई से उसका शव बाहर निकाला गया। पुलिस ने छात्र के परिजनों को इसकी सूचना दे दी है। पुलिस ने शव को मेडिकल कॉलेज अस्पताल की मरच्यूरी में पीएम के लिए रखवाया है।

नशे में धूत आबकारी विभाग का वीडिया वायरल

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। संभागीय आबकारी उडऩदस्ता विभाग का अजब-गजब कारनामे सामने आते रहते हैं। अवैध वसूली करने का वीडियो सामने तो आते ही हैं अब शराब सेवन कर अवैध शराब पकडऩे निकली टीम का वीडीयो वायरल हो रहा है। नशे में धूत टीम ने सडक़ पर तमाशा करते नजर आए हैं।

आबकारी विभाग के उड़दस्ता टीम अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करने निकली थी। लेकिन टीम में शामिल कर्मचारी खुद ही नशे में धूत थे। ये इतने नशे में बदहोश थे कि वे खुद से ठीक तरीके से अपने पैरों पर खड़ा भी नहीं हो पा रहे थे। जिसका वीडिया स्थानीय लोगों ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे ये तीनों कर्मचारी नशे की हालत में सडक़ पर तमाशा कर रहे थे। वीडियो में एक आरक्षक को कैमरा देख कर मौके से भागते हुए भी देखा गया, जबकि अन्य कर्मचारी नशे में लडखड़ाते हुए दिखे।

मां की हत्याकर फरार आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

उदारी फुटहामुड़ा थाना लुन्ड्रा निवासी एक युवक ने 24 अगस्त को हंसिया से हमलाकर व पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर फरार हो गया था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी काम धंधा नहीं करता था और शराब पीकर घुमता रहता था। मां इस बात को लेकर बार-बार बोलती थी। इससे नाराज होकर वह मां की हत्या कर फरार हो गया था।

जानकारी के अनुसार मृतकाा परसमील घासी पति भंटा राम लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम उदारी फुटहामुड़ा का रहने वाली थी। इसका बेटा बहादुर घासी जो अलग रहता है। वह काम धंधा कुछ नहीं करता है। आए दिन शराब पीकर घुमता रहता है। इस बात को लेकर मां बार-बार उसे ताना मारती थी। घटना दिवस 24 अगस्त को मां परसमील अपने बेटे को काम धंधा नहीं करने की बात को लेकर बोल रही थी। मां का यह बात उसे नागवारा गुजरा और गुस्से में हंसिया से उसपर हमला कर दिया। इससे मां मौके पर ही गिर गई। इसके बाद पत्थर से मां का सिर कुचलकर मौत के घाट उतार दिया और मौके से फरार हो गया था। कुछ देर बाद महिला का पति खेत की ओर से घर पहुंचा तो पत्नी मृत अवस्था में घर में पड़ी थी और बेटे के घर में ताला बंद था। वह घटना की जानकारी अपने भाई मनिजर घासी को दी। मरीजर घासी ने घटना की जानकारी लुण्ड्रा पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। मामले में पुलिस ने घटना के 43 दिन बाद संदेही बेटाा बहादुर घासी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह अपनी मां की हत्या करने की बात स्वीकार की। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 103(1) बीएनएस के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में उप निरीक्षक शिवचरण साहू, सहायक उप निरीक्षक रामकरण राजवाड़े आरक्षक बाल्केश्वर राम, अनिल बड़ा, निरंजन बड़ा शामिल रहे।

परिवार गया था रावण दहन देखने,इधर घर में हो गई चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शहर से लगे खैरबार निवासी एक परिवार घर में ताला बंदकर शनिवार की शाम को रावण दहन देखने पीजी कॉलेज गया था। इधर चोरों ने सूने घर का ताला तोडक़र लगभग 5 लाख के जेवरात व 15 हजार रुपए नकदी पार कर दिए। परिवार जब घर वापस लौटा तो उनके होश उड़ गए। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस मामले में विवेचना शुरू कर दी है।

रंजीत सोनी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम खैरबार खुदीपारा का रहने वाला है। वह फेरी लगाकर सामान बेचने का काम करता है। दशहरा के अवसर पर शनिवार की शाम को अपने घर में ताला बंद कर सह परिवार रावण देहन कार्यक्रम देखने पीजी कॉलेज गया था। रात करीब 9 बजे सब पहुंचे तो घर का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने अलमारी में रखे लगभग 5 लाख रुपए के सोने-चांदी का जेवरात सहित 15 हजार रुपए पार कर दिया है। रंजीत सोनी ने मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। वहीं पीड़ित रंजीत सोनी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

प्रतापपुर विकासखंड के सिलौटा में जिला स्तरीय करमा महोत्सव आज

» शामिल होंगे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

- संवाददाता -
प्रतापपुर,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

स्थानीय रेस्ट हाउस में भारतीय जनता पार्टी का प्रेस वार्ता आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्रीय विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते उपस्थित थी।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विधायक ने कहा कि की प्रतापपुर विकासखंड के ग्राम सिलौटा परसवार कला में जिला स्तरीय करमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है इस आयोजन में प्रतापपुर विधानसभा सहित जिले भर के करमा टीमों ने भाग लिया है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साइन सहित कैबिनेट के कई मंत्री भी शामिल होंगे एवं कार्यक्रम की तैयारी को लेकर कलेक्टर सूरजपुर ने भी दौरा कर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया । विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने बताया कि आदिवासी समाज की परम्परा और संस्कृति को बचाए रखने के उद्देश्य से आयोजित उक्त कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है। प्रेस वार्ता में मंडल के प्रवीण दुबे महामंत्री, अवधेश पांडे जिला नगरीय निकाय के संयोजक अरविंद जयसवाल सहित अन्य भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुसमी में उत्साह के साथ दशहरा का पर्व मना, दुर्गा मां के प्रतिमाओं का किया विर्सजन

- संवाददाता -
कुसमी,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कुसमी में हिन्दु समाज के लोगों ने दशहरे का पर्व उत्साह के साथ मनाया वही माता की प्रतिमा का विर्सरजन भी किया गया,दरअसल हर वर्ष की तरह शरदीय नवरात्र का पर्व इस वर्ष 3 अक्टुबर 2024 से शुरु हुआ 12 अक्टुबर 2024 के दिन दशहरा का पर्व मनाया गया, कुसमी में तीन जगह जिनमें दुर्गा चौक,हाट बाजार और सामरी रोड में माता रानी के प्रतिमा स्थापित कर विधिविधान से पुजा अर्चना कर दशहरे के दिन मां को विदाई दी गई,इन दस दिनो के बीच हिन्दु समाज के लोगो के द्वारा रामकथा के साथ साथ बच्चों के गरवा, मां के दरबार में भजन किर्तन का कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था,साथ हि भक्तों ने भंडारे प्रसाद का भी वितरण किया गौरतलब है कि सन 1961 से कुसमी में दुर्गा पुजा की शुरुवात दुर्गा चौक से की गई थी धिरे धिरे लोगों में माता रानी के प्रति आस्था बढते गई जिससे कुसमी में तीन जगहों पर दुर्गा मां की प्रतिमा का स्थापना होने लगी है। वही अब कुसमी ब्लाक के अन्य कई गांवो में भी माता के प्रतिमा की स्थापना कर भक्त गण पुजा अर्चना कर रहे है। दशहरे के दिन की बात की जाये तो इस दिन माता रानी की पुजा अर्चना कर विर्सजन का कार्यक्रम रखा गया था भक्त गण काफी संख्या में एकत्रित होकर मां दुर्गा मां लक्ष्मी मां सरस्वती भगवान गणेश भगवान कातिकेय के प्रतिमाओं को वाहनों में सवार कर भक्त गण बाजे गाजे के साथ विशाल झांकी निकाले।कुसमी के अलग- अलग जगहों में स्थापित प्रतिमायें शिव चौक के पास एकत्र कर सभी जगह के भक्त गण एक साथ होकर हाईस्कुल मैदान में रावण दहन के कार्यक्रम में शामिल हुये,जहां पर रावण के पुतले का दहन किया गया फिर झांकी बाजा गाजा आतिशबाजी के साथ उपर कुसमी के शिव मंदिर के तलाब के पास पहुची और फिर सभी जगहों के प्रतिमाओ का विर्सरजन किया गया।वही कुसमी में दशहरा के दिन बडे पैमाने में मेंला का भी आयोजन किया जाता है काफी संख्या में गांव की जनता कुसमी पहुचती है जिससे सडकों में काफी भीड भी रहती है और दशहरा मेला में समानों की जनता खुब खरीदारी भी करती है।

हिन्दू युवा एकता मंच ने निकाली विशाल शोभायात्रा

» हिन्दू युवा एकता मंच ने निकाली विशाल शोभायात्रा,जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा शहर

जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा शहर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

बुराई पर अच्छाई का प्रतीक दशहरा श्रद्धा व उल्लास के साथ जिले भर में धूमधाम से मनाया गया। दशहरा के शुभ अवसर पर हिंदू युवा एकता मंच द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा शहर के कला केंद्र मैदान से निकल कर गांधी चौक होते हुए घड़ी चौक से देवीगंज रोड होते हुए समलाया मंदिर पहुंची। यहां पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद भस्म होली खेली गई। भस्म होली खेलने के बाद शोभायात्रा महामाया मंदिर पहुंची। यहां आरती की गई। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे के प्रसाद वितरण के बाद शोभायात्रा समाप्त हुई। इस वर्ष भी विजया दशमी के अवसर पर शनिवार को शोभायात्रा शहर के कला केंद्र मैदान से निकाली गई। शोभायात्रा शहर के कला केंद्र मैदान से निकल कर गांधी चौक होते हुए घड़ी चौक से देवीगंज रोड होते हुए समलाया मंदिर पहुंची। यहां पूजा अर्चना की गई। इसके बाद भस्म होली खेली गई। भस्म होली खेलने के बाद शोभायात्रा महामाया मंदिर पहुंची। यहां आरती की गई। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे के प्रसाद वितरण के बाद शोभायात्रा समाप्त हुई। दशहरा के अवसर पर हिन्दू युवा एकता मंच द्वारा शहर में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान विभिन्न प्रकार की झांकियां भी थीं जो आकर्षण का केन्द रहीं। मंच द्वारा ड्रोन के माध्यम से राम भक्त हनुमान के पुतले को उड़ाया गया, जो विशेष आकर्षण का केन्द्र था। ड्रोन के माध्यम से पुष्प वर्षा भी की गई।

रथ पर सवार थे राम,लक्ष्मण व सीता

शोभायात्रा में राम, लक्ष्मण और सीता की आकर्षक झांकी निकाली गई थी। राम, लक्ष्मण और सीता के रूप धारण किए बच्चे आकर्षक रथ पर सवार थे, जिनका जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत हुआ।

जय श्रीराम के नारों से गूंजता रहा शहर

दशहरा व शोभायात्रा को लेकर पूरे शहर में भगवा झंडे लगाए गए थे। वहीं जब शोभायात्रा निकली तो लोगों के हाथों में भगवा झंडे लहरा रहे थे। इससे पूरे शहर का माहौल भगवामय हो गया। इस दौरान जय श्रीराम के नारों से पूरा शहर गूंजता रहा।

महिलाओं ने माता रानी की प्रतिमाओं को लगाया सिंदूर, विसर्जन का सिलसिला जारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर शारदीय नवरात्र की दशमी तिथि अर्थात विजयदशमी पर मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है। हवन पूजन का कार्य नवमी तिथि से ही चलता रहा। बंग समाज की महिलाओं ने मां को सिंदूर लगाकर सुहाग की रक्षा की कामना की। इसके बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर ढाकी वादन में नृत्य करके मइया को रिझाया।

सरगुजा पुलिस ने भी की शस्त्र पूजा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

विजयादशमी के अवसर पर सरगुजा पुलिस द्वारा रक्षित केंद्र सहित जिले के सभी थाना व चौकी में शस्त्रों व वाहनों की पूजा गई। इस दौरान पूजा अर्चना कर जिले में शांति व्यवस्था बनी रहे व सरगुजा पुलिस आमजनों को त्वरित न्याय दिलाने की भी सहायक सिद्ध हो इसकी कामना की गई। पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल द्वारा रक्षित केन्द्र में शस्त्र पूजा की गई। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हर्ष फायर किए। इस दौरान डिवीजनल कमांडेंट राजेश पाण्डेय, नगर सेना कमांडेंट शिवकुमार कठोतिया,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल, रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत , सहित पुलिस लाइन के अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

ट्रक की चपेट में आए स्कूटी सवार युवक की मौत

» व्यवसायिक रामकुमार साहू के बड़े पुत्र के सडक़ हादसे में मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 130 लखनपुर के ग्राम सिंगीटाना के समीप ट्रक की चपेट मे आने से स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दशहरा की खुशी मातम में बदल गया। परिजन व गांव वाले रावण दहन का आयोजन छोड़ लखनपुर अस्पताल पहुंचे पहुंचे। मृतक युवक की पहचान विवेक साहू पिता रामकुमार साहू 19 वर्ष निवासी ग्राम गुमगराकला थाना लखनपुर के रुप में हुई है। लखनपुर पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपूर्द कर दिया है। साथ ही दुर्घटना कारित ट्रक को कब्जे में लेकर पुलिस ने जांच शुरु की है। बता दें मृतक युवक के पिता लखनपुर के गुमगरा कला निवासी रामकुमार साहू आसपास क्षेत्र के एक अच्छे जनप्रतिनिधि एवं युवा व्यवसायी के रूप में जाने जाते हैं। उनके पुत्र विवेक साहू भी उनका कार्य में सहयोग प्रदान करते थे। वह अंबिकापुर साई कॉलेज में अध्यनरत थे। वह किसी काम को लेकर शनिवार की शाम 4 बजे अपने घर गुमगरा कला से स्कूटी में अंबिकापुर गया हुआ था।

शोभायात्रा निकालकर कॉलेज ग्राउंड में रावण दहन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

बुराई पर अच्छाई का प्रतीक दशहरा पर्व पूरे जिले में धूमधाम से मनाया गया। जगह-जगह कई आयोजन किए गए। शनिवार की शाम सरगुजा सेवा समिति और नागरिक सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में रावण दहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रावन दहन से पूर्व शाम को शहर के राम मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा शहर के पीजी कॉलज ग्राउंड पहुंची।

यहां रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। इस वर्ष 90 फीट के रावण, 50 -50 फीट के कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतले बनाए गए थे। रावण दहन के दौरान शिवाकाशी की टीम द्वारा एक घंटे तक आतिशबाजी की गई। जो विशेष आकर्षण का केंद्र रही। रावण दहन कार्यक्रम देखने के लिए लोगों में खास उत्साह रहता है, इसलिए शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र से भी हजारों की संख्या में लोग रावण दहन कार्यक्रम देखने पीजी कॉलेज ग्राउंड पहुंचे थे। इस दौरान छत्तीसगढ़ शासन के केबिनेट मंत्री राम विचार नेताम, अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, लूँड्रॉ विधायक प्रबोध मिंज, सरगुजा सेवा समिति अध्यक्ष रजनी रविशंकर त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, नगर निगम सभापति अजय अग्रवाल, छत्तीसगढ़ युवा आयोग अध्यक्ष विश्वविजय तोमर,अनिल सिंह मेजर, अखिलेश सोनी, भारत सिंह सिसोदिया, अंबिकेश केशरी, आलोक दुबे, फुलेश्वरी सिंह, संजय अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य शामिल रहे।

राजपरिवार ने पैलेस में की शस्त्र पूजा

सरगुजा राजपरिवार द्वारा प्रत्येक वर्ष शारदीय नवरात्रि के अवसर पर दशमी तिथि को होने वाले फाटक, अश्व, गज, शस्त्र, नगाड़ा, नवग्रह, ध्वज, निशान सहित अन्य पूजा की गई। राजपरिवार के मुखिया टीएस सिंहदेव सहित उनके उत्तराधिकारी आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने पैलेस में पूजा की।

सूरजपुर में भव्यता के साथ हुआ रावण दहन

» 23 वर्षों से सामूहिक रूप से मन रहा जिला मुख्यालय में दशहरा

» परंपरागत दशहरा उत्सव में 60 फीट ऊंचे रावण का हुआ दहन

- संवाददाता -
सूरजपुर,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय में विजयादशमी के पर्व पर भव्य दशहरा उत्सव का आयोजन कर असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक के रूप में रावण कुम्भकरण व मेघनाथ के पुतले का दहन किया गया। वहीं भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा के साथ मुख्य समारोह में श्रीराम-रावण का मंचन तथा बाल्मिकी संवाद का सजीव चित्रण व मंचन उत्तरप्रदेश से आये कलाकारों के द्वारा किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह, पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा, नगर पालिका अध्यक्ष केके अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल गोयल, कलेक्टर रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक एमआर आहिरे, वनमंडलाधिकारी पंकज कमल,सूरजपुर सेवा समिति के अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल सहित बड़ी तादाद में जुटे जिलेवासियों को दशहरे की शुभकामनाये देते हुए कहा कि असत्य पर सत्य की विजय के साथ हमें सामाजिक कुरीतियों से दूर रहना चाहिए। इस दौरान मंचासीन अतिथियों ने उपस्थित आपार जन समूह को संबोधित करते हुए अपनी बातों में कहा कि जिस प्रकार अंधेरे के बाद उजाला आता है, उसी प्रकार अच्छाई से हम बुराई पर विजय हासिल कर सकते हैं। समारोह में सर्व समाज प्रमुख व नगर की सभी दुर्गा पूजा समितियों के अध्यक्ष व प्रमुख भी मंच पर आसीन रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन रामकृष्ण ओझा व आभार प्रदर्शन मुकेश गर्ग ने किया। इसके पूर्व सूरजपुर सेवा समिति के अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल ने अध्यक्षीय प्रतिवेदन व स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। सनातन काल की परंपरा के अनुरूप दशहरा उत्सव में राम दरबार व रावण सेना व आधारित विशाल व भव्य झांकी अग्रसेन भवन से निकाली गई। झांकी नगर के विभिन्न मार्गों से गाजे-बाजे व ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते-गाते कार्यक्रम स्थल अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड पहुंची। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुकेश गर्ग,रितेश गुप्ता,श्रवण जैन,पुनित गुप्ता,आनंद सोनी, शैलेष गोयल, सुरेन्द्र राजवाड़े, शिवम ओझा, अजय सिंह, प्यारे साहू, सत्यनारायण गुप्ता, संदीप जायसवाल हर्ष गोयल सहित समिति के सदस्य सक्रिय थे। वहीं आयोजन में सर्व समाज प्रमुख सहित नगर पालिका के समस्त पार्षद व बड़ी संख्या में सर्व समाज के प्रमुखों में अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अमृतलाल गर्ग, सचिव राजेश महलवाला ,साहू संघ के जिलाध्यक्ष जोखन साहू, थलेश्वर साहू ,तोयात्मा राजवाड़े, रामस्वरूप गुप्ता पुखराज जैन सुरेश गुप्ता अनिल गुप्ता ईश्वर चंद गुप्ता रिखब जैन हिमांशु अग्रवाल हिमांशु जैन सहित बड़ी तादाद में सभी समितियों के पदाधिकारी उपस्थित थे। जिनका सूरजपुर सेवा समिति ने दुपट्टे से स्वागत व अभिनन्दन भी किया।

सांस्कृति कार्यक्रम व झांकी के प्रदर्शन से स्टेडियम हुआ राममय

उत्तरप्रदेश व अम्बिकापुर से आये सांस्कृतिक कला मंच की टीम ने राम दरबार की भव्य अलौकिक झांकी व राम-रावण युद्ध की मंचन सहित मां काली, शिव-पार्वती, राधे-कृष्ण की अनेक झांकियां व भजन कार्यक्रम से पूरा स्टेडियम राममय की गूंज से सराबोर हो गया।

20 हजार की उपस्थिति से आयोजक हुए गदगद

दशहरा उत्सव में इस वर्ष भारी भीड़ के कारण आयोजन समिति गदगद रही। लगभग 20 हजार से उपर की भीड़ ने राम-रावण युद्ध के मंचन के साथ जमकर आतिशबाजी का लुफ्त उठाया और रावण दहन की परंपरा के साथ बुराईयों का परित्याग करने और समद्धशाली क्षेत्र के निर्माण के संकल्प के साथ दशहरे की बधाई दी।

श्रीराम का तिलक पूजन कर की आरती

मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का मंचासीन अतिथियों ने तिलक व पूजन कर आरती उतार कर शौर्य के पर्व पर श्रीराम परिवार की परंपरागत तरीके से पूजा-अर्चना की। समिति के अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल की अगुवाई में अतिथियों ने श्रीराम दरबार की की पूजा-अर्चना में शामिल होकर उनकी आरती उतारी।

सुपलगा नदी पार करते समय मां के गोद से फिसलकर गिरी मासूम बच्ची की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

मैनपाट विकासखंड के ग्राम सुपलगा नदी को पार करते समय मां की गोद से गिरी 7 माह की दुधमुही बच्ची की मौत हो गई। घटना शुक्रवार की देर शाम की है। महिला बच्ची को गोद में लेकर पति के साथ उफनती नदी को पार कर करमा देखने दूसरे गांव जा रही थी।

जानकारी के अनुसार बलजीत मझवार ग्राम सुपलगा का रहने वाला है। वह शुक्रवार की शाम को पत्नी रतनी बाई के साथ उफनती नदी को पार कर जूना पारा करमा देखने जा रहा था। रतनी बाइ अपनी 7 माह की दुधमुही बेटी रानी को रखी थी। नदी पार करते समय पत्थर में पैर पडऩे पर महिला अनियंत्रित हो गई और उसके गोद से छिटक कर बच्ची पानी में गिर गई और करीब 50 मीटर तक बहकर चली गई। जिससे उसकी मौत हो गई। काफी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि नदी में जहां पर घटना हुई वहां ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से पुलिया की मांग की जा रही है। पुलिया नहीं होने से मजबूरन ग्रामीण जान हथेली पर रख नदी को पार करते हैं। जिससे इस तरह की घटनाएं होती रहती है। ग्रामीणों का कहना है गांव वालों की परेशानी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों को नहीं दिखती है। अब तक कई लोगों की सुपलगा नदी पार करते समय बहने से जान चली गई है।

घर वापस जाते वक्त हुआ हादसा

अंबिकापुर से घर वापस आने के दौरान रात करीब 8 बजे अंबिकापुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 130 के ग्राम सिंगिंटाना में ट्रक चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने के कारण अचानक के ट्रक में ब्रेक लगाने से स्कूटी सवार विवेक साहू ट्रक के पिछे जा घुसा। घटना से युवक के सर में गंभीर चोट लगने से युवक गंभीर रुप से घायल हो गया। सूचना पर पुलिस डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और उसे उपचार के लिए लखनपुर अस्पताल लेकर आने के दौरान लखनपुर चंदनई नदी पुल के पास युवक ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते हैं गांव में दशहरे की खुशी मातम में बदल गया और जैसे तैसे मां दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन और रावण दहन किया गया। जानकारी लगते ही अस्पताल में विधायक प्रतिनिधि रवि अग्रवाल,राकेश अग्रवाल,मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी सहित गांव वाले भी अस्पताल पहुंच गए थे।

क्या क्रशर संचालक के अवैध ब्लास्टिंग की गूंज नहीं पहुंच रही खनिज अधिकारी व जिला प्रशासन के कानों तक ?

क्रेशर के धूल से ग्रामीण परेशान पर अधिकारी ले रहे एयर कंडीशनर का मजा

वन,पर्यावरण सहित खनिज विभाग क्रेशर संचालक के सामने नतमस्तक

क्रेशर संचालक के पैसे के सामने नहीं दिखती संबंधित विभाग के अधिकारियों को कोई कमी ?

खनिज विभाग के अफसर एयर कंडीशनर में मस्त...वही क्रेशर के डस्ट से ग्रामीण त्रस्त

अवैध गीट्टी झारखंड,बनारस,उड़ीसा भेजा जा रहा है...

बलरामपुर व सरगुजा जिले में कई क्रेशर दस्तावजो में सील है, मगर फिर भी क्रेशर संचालकों के द्वारा क्रेशर का संचालन जारी हैं, अधिकारी-कर्मचारी मौके पर कभी पहुचते ही नही जिसका फायदा क्रेशर संचालकों को मिल रहा है, मामला यह भी प्रकाश में आ रही है कि कई क्रेशर संचालकों के द्वारा अन्य उद्योग बता कर क्रेशर में बिजली पावर कनेक्शन की सप्लाई ली गई है।

राजपुर क्षेत्र में स्वीकृत लीज 28 व सरगुजा जिले में 52 हैं ...

राजपुर क्षेत्र में स्वीकृत लीज 28 व सरगुजा जिले में 52 हैं मगर कई स्वीकृत लीज स्थल पे आज तक क्रेशर संचालकों ने खुदाई तक नही की है, मगर शासन से उन्हें पीट पास हमेशा जारी होते रहे है. कर्मचारी-अधिकारिओं की मिलीभगत से यह कार्य काफी दिनों से संचालित है, इसके साथ कई स्थानों में दूसरे के नाम से भी लीज संचालित है।

जंगल मे भी संचालित हो रहे है क्रेशर

कई क्रेशर ऐसे भी संचालित है जो छोटा झाड़ का जंगल को हल्का पटवारी व तहसीलदार को मिलाकर शासकीय भूमि को अपने नाम नामांतरण करा कर फर्जी तरीके से भूमि का डायवर्शन भी कराकर उस भूमि में क्रेशर संचालित है. आश्चर्य की बात यह भी है कि छोटा झाड़ का भूमि पर डायवर्शन कैसे हुआ आज क्रेशर संचालित हैं।

संचालकों के पास दस्तावेज तक नही

कई क्रेशर संचालको के पास आज तक जमीन की डायवर्शन पीटपास, लीज, पर्यावरण , मेडिसिन, ब्लास्टिंग भंडारण आदि दस्तावेज तक नही है मात्र कागजों में संचालित हो रहा है।

बारूद कहा से आता है...

ब्लास्टिंग के लिए बारूद कहा से आता हैं आज तक किसी को मालूम नही है. इसकी स्टाक रूम कहा है कोई पता नही है. अवैध बारूद से कभी भी बड़ी घटनाएं घट सकती है. क्षेत्र में बेखौफ़ ट्रैक्टर लगा कर ड्रिल महीन से सुरंग बना कर अवैध ब्लास्टिंग जोरो से संचालित है।

उड़ने वाले धूल से ग्रामीण बीमार हो रहे है...

राजपुर सहित कोटागहना, घोरगड़ी, डिगनगर, गांगर नदी के उपर, बघिमा, भिलाई, भेस्की, चंगोरी, धौरपुर आदि में दर्जनों क्रेशर संचालित है, ब्लास्टिंग पत्थर व क्रेशर से उड़ने वाले धूल से ग्रामीण परेशान है. आए दिन ग्रामीणों को स्वास्थ्य खराब हो रही है, आदिवासी ग्रामीणों के घर धूल के गुबारे में तब्दील हो जा रही हैं।

रटा-रटाया सरकारी बयान

राजपुर एसडीएम राजीव जेम्स कुजुर ने कहा मामला प्रकाश में आया है पूरे माइनिंग विभाग वाले को बुलाकर जांच कराई जाएगी,जांच उपरांत ग़लत पाए जाने कर क्रेशर सील कर कार्रवाई की जाएगी पर क्या ऐसा हो पाएगा।

-भूपेन्द्र सिंह-
अंबिकापुर/बलरामपुर, 13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

खनिज विभाग से संबंधित है स्टोन क्रशर संचालकों की मनमानी किसी से छुपी नहीं है और मनमानी इसलिए उनकी चल रही है क्योंकि उनके पैसे के सामने खनिज विभाग नतमस्तक है, क्रेशर संचालकों की अवैध हैवी ब्लास्टिंग लोगों को परेशान कर रहे पर इसकी गूंज शायद अधिकारी के कानों तक नहीं पहुंच रही,अधिकारी के कानों तक इसलिए नहीं पहुंच रही क्योंकि अधिकारी एयर कंडीशनर लगाकर बंद कमरे में बैठे हुए हैं ना तो उन्हें डस्ट से परेशानी है और ना ही हैवी ब्लास्टिंग के आवाज से, परेशानी तो उन ग्रामीणों की बनी हुई है जो क्रेशर के डस्त व हैवी ब्लास्टिंग से बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। क्रेशर संचालक ना तो पर्यावरण के नियमों के साथ चल पा रहे हैं ना ही खनिज विभाग के नियमों से चल रहे हैं और ना ही वन विभाग के नियमों से चल रहे हैं, यह सभी विभाग चाहते भी यही है कि क्रेशर नियम विरुद्ध तरीके से संचालित होता रहे और क्रशर संचालक इनकी मोटी रकम से जेब भरते रहे

और मुंह को बंद किए रहे।

मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में अब अंतरराज्यीय लोगों का भी दबदबा क्रेशर के क्षेत्र में बढ़ रहा है हम बात कर रहे हैं सरगुजा व बलरामपुर जिले के आसपास इलाके में संचालित क्रेशर खदानों की जन्हा उत्तर प्रदेश और हरियाणा के लोगों का गजब का दबदबा देखने को मिल रहा है दूसरे प्रदेश से एक बड़ा गिरोह इन दिनों खनिज उत्पादन एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में महगे दाम पर खपाने का बड़ा खेल चल रहा है, बाहरी प्रदेश से आने वाले इन अप्रवासी व्यापारियों का पत्थर अवैध तरीके से वन एवं राजस्व भूमि से निकाले जा रहे हैं, कभी ड्रिल मशीन के जरिए बड़े बड़े होल कर प्रतिबंधित विस्फोटक सामग्री का इस्तेमाल कर ब्लॉस्ट करके पत्थरों को जमीन से निकाला जा रहा है, बड़े पैमाने पर चल रहे कारोबार पर जिला प्रशासन पुलिस या वन विभाग के अधिकारियों का ध्यान नहीं है, यदि है भी तो कार्यवाई के नाम पर मजदूरों पर मामला दर्ज कर लिया जाता है, खदानों से उड़ने वाली धूल से इलाके का पर्यावरण संतुलन बिगड़ता जा रहा हैं लेकिन सम्बधित पर्यावरण विभाग के अधिकारी कर्मचारी मोटी रकम लेकर खाना पूर्ति कर रहे हैं, इनके द्वारा साल में सभी प्लांट से लगभग लाखों रुपए क्यों जारी है? इस वजह से पर्यावरण विभाग के जटिल नियम का पालन नहीं हो रहा है और क्रेसर संचालक बिल्कुल मनमानी पर उतारू हैं, जिन इलाकों में क्रेसर का संचालन किया जा रहा है वहां पर कोई भी क्रेसर सचालक निवास नहीं करता है यही वजह है कि खूब हैवी ब्लास्टिंग कर एवम पर्यावरण विभाग के भ्रष्ट तिवारीयो कारण इसका पूरा खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा हैं।

इन स्थानों के क्रेशर खदान में नियम कानून की जरुरत नहीं ?

विदित हो कि विकासखण्ड के धौरपुर,कोटागहना, बैढी एवं राजपुर क्षेत्र में अवैध खनन करने में दूसरे प्रदेश के लोगो का दबदबा बढ़ता जा रहा है पूरे क्षेत्र में शासकीय व वन भूमि पर दर्जनभर स्थानों से अवैध खनन कर पत्थर निकाले जा रहे हैं, इन पत्थरों को क्रेशर खदान में भेज दिया जाता हैं, अवैध खनन में इलाके के ग्रामीण महिला-पुरुष कार्यरत हैं जो कई बार असुरछित ब्लास्टिंग से दर्जनों लोग घायल हो चुके हैं क्रेसर संचालक अपनी खदान में गरीब मजदूर जो प्रति दिन कमाने खाने वाले लोगों को लालच दे कर ट्रेक्टर में कंप्रेसर बांधकर भी पत्थरों में होल करवा रहे हैं और होल में अमोनियम नाइट्रेट इडी बत्ती वह अन्य उपकरणों से ब्लास्टिंग करवा रहे हैं सब की ऐसे हैवी ब्लास्टिंग के लिए प्रशिक्षित व्यक्ति कोई रखा जाता है, जबकि नियमों के तहत माइनिंग सरदार ऐसे कार्यों के लिए होते है जिसके पास ब्लास्टिंग की डिग्री होती है पर सिर्फ और सिर्फ इन मजदूरों का शोषण कर पैसा कमाने की मनसा रखने वाले इन शातिर व्यापारियों ने गरीब मजदूरों से ही इनकी जान जोखिम में डालकर ब्लास्टिंग करवाते हैं, प्रतिदिन प्रातः सैकड़ों की संख्या में इन खदानों में ब्लास्टिंग सुनाई देती है बताया जाता है कि जिम्मेदार अधिकारियों ने इस अवैध ब्लास्टिंग के लिए सुबह सुबह का टाइम ही फिक्स किया है ताकि शाम जनता सोती रहे और प्रशासन भी सोता रहे और यह अवैध व्यापारी अपना काम कर ले एक शब्द संचालक में अपना नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि हमें प्रशासन के हर एक महकमें को मैनेज करना पड़ता है यदि हम नहीं करते तो हम इतना बड़ा कारोबार कैसे कर पाते अवेध तरीके से अधिक उत्खन करने वाले लोग पत्थरों को ब्लास्ट के जरिए सुबह ही निकालते हैं ताकि अधिकारियों को इसकी भनक न लगे. राजपुर, कोटागहना, बैढी, भेस्की, धौरपुर, भिलाई, चंगोरी, डिगनगर, गागर नदी के आसपास संचालित क्रेशर प्लांट में वाहनों से सैकड़ो ट्रिप भेजे जा रहे हैं, इस गोरखधंधे की आज तक निष्पक्ष जांच नही होने से कारोबार बेखौफ चल रहा है।

क्या मिल रहा हैं इन नियम विरुद्ध उत्खनन करने वालो को पर्यावरण विभाग के अधिकारियों का संरक्षण ?

ग्रामीणों के मुताबित क्रेशर संचालकों को पर्यावरण वन एवं राजस्व विभाग का मौन संरक्षण प्राप्त है मिली जानकारी के अनुसार जिसके चलते वे मनमाने ढंग से पत्थरों का अवैध खनन कर रहे हैं. इतना ही नहीं क्रेशर संचालकों के इशारे पर ही अधिकारी मजदूरों पर अवैध खनन का मामला बनाकर खानापूर्ति भी कर लेते है. कई ऐसे भी ग्रामीण हैं जिन्हें हजार-दो हजार रुपए देकर उनकी जमीन पर उत्खनन कराया जा रहा है. इलाके में बड़े पैमाने पर चल रहे अवैध खनन से वन क्षेत्र का पर्यावरण भी प्रभावित होने लगा हैं. क्रशर प्लांट से दिनरात उड़ने वाली धूल व शोर से लोगो का स्वास्थ्य भी प्रभावित होने लगा हैं. ग्राम घोरगड़ी व भेस्की आसपास के पहाड़ी कोरवा अवैध ब्लास्टिंग होने के कारण अपना घर छोड़ कर भग रहे है .अवैध ब्लास्टिंग होने के कारण घरों में दरारें पड़ने लगी है. धूल से स्वास्थ्य खराब होने लगा है. ग्रामीणों ने यह भी बताया कि ठेकेदारों के द्वारा पहाड़ी कोरवा एवं आदिवासियों का जमीन पर कब्जा कर अवैध ब्लास्टिंग व क्रेशर संचालित है. दर्जनों पहाड़ी कोरवा गांव छोड़कर जंगल की ओर जीवन यापन कर रहे हैं. अंबिकापुर स्थित पर्यावरण विभाग के अधिकारी हर माह इन क्रेसरों में पहुंचते हैं और महीना लेकर लौट जाते हैं बिना जांच पड़ताल के बिना किसी मशीन से चिक किए इनके द्वारा जल और वायु सम्मति दिया जा रहा है, एक स्पेक्टर काफी समय से यहां पर जमा हुआ है और इन अवैध केसर संचालन में इसकी भूमिका संदिग्ध है या साल में एक लाख रुपए की डिमांड करता है अंबिकापुर में रह कर करोड़ों के अवैध वसूली की खबर आ रही है,, वही विभाग का अधिकारी भी इस्पेक्टर के इशारों पर मच रहा है वह भी यदि लीज धारी केसर संचालक जल और वायु सम्मति के लिए जाता है तो अपने इस्पेक्टर और अपने ड्राइवर जो पिछले 15 वर्षों से पूरे इलाके में अवैध वसूली का कार्य करने वाले से बात करने के लिए कहता है और लाखों रुपए की वसूली करवाता है.! पूरे संभाग में इनकी वसूली पर गजब की चर्चा है, दो पत्रे के सर्टिफिकेट देने के वचन में पर्यावरण विभाग लाखों वसूलता है जबकि शासन ने आम नागरिकों को राहत देने के लिए इन अधिकारियों की नियुक्ति की है, ताकि उद्योगों से निकलने वाले धुएं धूल एवं शुद्ध पेय जल आम नागरिकों को मिल सके।

विजयादशमी की जगह एकादशी लगने के बाद हुआ रावण दहन:सूत्र

क्या बिना मुहूर्त में किया गया रावण दहन... हिंदुत्व का राग अलापने वाले संगठन के द्वारा ?

रात 11.40 तक नही हो पाया था रावण दहन

मुहूर्त 10:33 तक ही था रावण दहन का,कई जगह कई जगह किया गया था उल्लेख

-विशेष संवाददाता-
बैकुंठपुर, 13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सत्य की विजय असत्य की हार,अधर्म का विनाश और धर्म साम्राज्य की स्थापना के उद्देश्य से प्रति वर्ष दशहरा पर्व मनाया जाता है और बुराई,अधर्म,असत्य के प्रतीक स्वरूप में रावण का दहन किया जाता है और यह संदेश दिया जाता है की आने वाले समय में सभी उद्देश्य की पूर्ति होकर रहेगी जिस उद्देश्य से यह पर्व मनाया जाता है। धर्म, सत्य और अच्छाई की स्थापना के लिए प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला दशहरा पर्व इस वर्ष भी मनाया गया जगह जगह रावण दहन का भी कार्यक्रम आयोजित किया गया और इस दिन मुहूर्त का सही समय का भी ध्यान रखा गया लेकिन बैकुंठपुर शहर में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में यह देखने को मिला की और यह चर्चा का भी विषय बना की शहर में रावण दहन का मुख्य कार्यक्रम आयोजकों के लिए उनके चेहरे चमकाने का और चंदा उगाही का कार्यक्रम मात्र बनकर रह गया। बताया जा रहा है वहीं कई जगह उल्लेख भी देखने को मिल रहा है की इस वर्ष रावण दहन का कार्यक्रम और उसका मुहूर्त रात 10 बजकर 30 मिनट तक ही था लेकिन बैकुंठपुर में रावण दहन का कार्यक्रम मुहूर्त के बाद हुआ,देर रात तक लोग इंतेजार करते रहे मुख्य अतिथि के आने का और जब देर रात मुहूर्त के बाद मुख्य अतिथि आए तब जाकर रावण दहन हो सका।

बताया जा रहा है और लोगों के बीच चर्चा भी यह सुनने को मिली की आयोजक चूंकि मुख्य अतिथि से काफी सहयोग ले चुके थे इसलिए उनका इंतजार करना जरूरी ही था। वैसे आयोजकों ने वसूली भी जमकर की थी और शासकीय सहयोग भी उन्हे मिला था जो मुख्य अतिथि ने ही मंच से लोगों को बता दिया जिसके बाद लोग यह भी कहते सुने गए की जब आयोजन में होने वाले खर्च की जिम्मेदारी शासन ने ही ले रखी थी तब उगाही जमकर क्यों की गई? वैसे आयोजकों ने बैनर पोस्टर पर जमकर खर्च किया और अपना चेहरा उन्होंने जमकर चमकाया भी वहीं जब मुख्य अतिथि ने सभी के सामने यह जाहिर कर दिया की खर्च होने वाली राशि उन्होंने ने उपलब्ध करा दी है तब आयोजक भी अपना अपना मुंह देखते नजर आए क्योंकि मुख्य अतिथि ने उनकी पोल खोल दी। वैसे लोगों के बीच यह भी चर्चा थी की असल का रावण हो या अधर्म, बुराई या असत्य वह कभी भी अपने पतन के लिए इंतजार नहीं करता वहीं यदि बैकुंठपुर के रावण दहन 2024 की बात करें तो रावण खुद अपने पतन अपने आपको जलाने के लिए मुख्य अतिथि का इंतजार करता रहा जिसके लिए उसे आयोजक मंडल ने मजबूर किया।

सहकारिता मंत्री के ओएसडी हटाए गए पर स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी कब हटाए जाएंगे ?

-विशेष संवाददाता-
रायपुर, 13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश के सहकारिता मंत्री के ओएसडी को हटा दिया गया वहीं स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी जो राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं वह भी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर जिसकी शिकायत दिव्यांग सेवा संघ ने किया है, वहीं जिसके लिए वह आंदोलन भी करने वाले थे और नहीं कर पाए क्योंकि उन्हें आश्वासन मिला की फर्जी दिव्यांग बनकर नौकरी कर रहे स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी पर शासन जांच कर कार्यवाही करेगी और जल्द करेगी। वैसे कार्यवाही की अभी न शुरुआत हुई न जांच ही कोई आरंभ हुई,फर्जी दिव्यांग स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी बने हुए हैं और असली दिव्यांग किसी का अधिकार मारकर मजे कर रहे हैं। वैसे क्या स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी हटाए जाएंगे उन्हे बर्खास्त किया जाएगा यह स्वास्थ्य मंत्री की छवि के लिए बड़ी उपलब्धि साबित होगा और उन्हे दिव्यांग लोगों का अधिकार मारने वालों पर कार्यवाही करने पर दिव्यांग लोगों का आशीर्वाद भी मिलेगा।

अपने ओएसडी के दिव्यांग प्रमाण-पत्र का भी जांच नहीं कर पाए स्वास्थ्य मंत्री-फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र वाले राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अपने ओएसडी के दिव्यांग प्रमाण-पत्र की जांच स्वास्थ्य मंत्री नहीं करा पाए। आज दिव्यांग सेवा संघ छत्तीसगढ़ भी मायूस है और उसे उम्मीद है की अपने जन्मदिवस पर कम से कम एक फर्जी दिव्यांग बनकर राज्य प्रशासनिक सेवा की नौकरी कर रहे अपने ही ओएसडी पर स्वास्थ्य मंत्री कार्यवाही करेंगे वहीं किसी एक दिव्यांग को उसका हक दिलाएंगे जिसका हक उनके ओएसडी ने लुटा है फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर।

जिस ओएसडी का दिव्यांग प्रमाण पत्र फर्जी होने का आरोप है उसी को क्या साथ लेकर चलने से स्वास्थ्य मंत्री की प्रतिष्ठ बढ़ रही है ?

जिस ओएसडी साथ ही राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के कारण या उसकी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र वाले मामले के कारण स्वास्थ्य मंत्री की भी छवि धूमिल हो रही है क्या उसको लेकर घूमने में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ रही है। वैसे अब बात जो हो प्रतिष्ठा बढ़ रही घट रही मंत्री जी भी अवगत हो रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री अपने ओएसडी को लेकर अपनी प्रतिष्ठित छवि को खराब करने को तैयार...आखिर क्यों हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री की प्रतिष्ठित छवि एक फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र वाले राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी उनके ओएसडी की वजह से खराब तो हो रही है लेकिन मंत्री जी फर्जी व्यक्ति के लिए अपनी छवि भी खराब करने तैयार हैं। कुल मिलाकर लगता है कोई बड़ी राज की बात है जो फर्जी अधिकारी के हांथ है मंत्री जी की जिसके कारण मंत्री जी भी मजबूर हैं और फर्जी अधिकारी के चंगुल से बाहर निकल नहीं पा रहे हैं।

CMYK

बिल्डर की अगुवाई में हुआ रावण दहन!

शासकीय पैसे खर्च के बाद पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री रेणुका समेत जिला प्रशासन ने बनाई दूरीः सूत्र

आमंत्रण पत्र में आयोजक ने डलवाया था नाम लेकिन नही शामिल हुए अधिकारी और एसईसीएल के मुख्य महाप्रबंधकः सूत्र

यूनिटी वेलफेयर सोसायटी का नाम सिर्फ दिखावा अखबार में विज्ञापन और बड़े-बड़े होर्डिंग लगाकर खुद का चेहरा चमकाने का षडयंत्र हुआ पूरा

क्या विधायक बैकुंठपुर समेत पार्टी के जिलाध्यक्ष ने दी बिल्डर को क्लीन चिट....जबकि न्यायालय से जमानत पर है बिल्डर?

जिस बिल्डर को वर्ष भर पहले कांग्रेस सरकार के समय जिला बदर किया गया उसे भाजपा नेताओं ने दिया संरक्षण,क्या यही है पार्टी का असली चेहरा?

बिल्डर की सक्रियता चर्चा का विषय,बिल्डर फिर बनेगा भाजपा नेताओं के गले की फांस?

-विशेष संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

वैसे बिल्डर पुराने समय को भूलाकर फिर से नए पारी के साथ से आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे है पर इनका आगे बढ़ना लोगों को ना गवारा भी गुजर रहा है,क्योंकि इनका चेहरा ही लोगों को लिए परेशानी का सबब बन गया है जबकि मौका तो सभी को मिलता है इन्हें भी मौका देना चाहिए वैसे भाजपा ने मौका ही दे रही है पर जिस समय यह विपत्ति में थे उसे समय भाजपा भी हाथ खींच ली थी यहां तक की कोरिया के जिलाध्यक्ष यह कहने से कतरा रहे थे कि यह भाजपा के नेता है बिल्डर, उसे समय उन्होंने पुर तरह से बिल्डर को नकार दिया था कि भाजपा के नेता है और आज वह उन्हें अपने साथ लेकर चलते हैं कहीं ना कहीं कमियां संगठन के पदाधिकारी में भी है और कुछ कमियां बिल्डर में भी है बिल्डर की कमी सिर्फ इतनी है कि वह अपने पुराने चीजों को भूल कर फिर से आगे बढ़ाना चाह रहे हैं पर आगे बढ़ाने के लिए जो रास्ता उन्होंने अपनाया है उसमें कई कांटे भी जो ने चुभने लगे।

बैकुंठपुर के रामानुज मिनी स्टेडियम में दशहरा के अवसर पर रावण दहन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जमानत पर चल रहे बिल्डर की अगुवाई की चर्चा इस बार जोरों पर रही तो वहीं इसी वजह से पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह समेत प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम से दूरी बनाकर रखी थी,कलेक्टर,एसपी के साथ ही एसईसीएल के मुख्य महाप्रबंधक भी कार्यक्रम से दूर रहे, जबकि आमंत्रण पत्र में सभी का नाम दिया गया था। वहीं आयोजन से अनेक भाजपा नेताओं के साथ ही कांग्रेसी नेता भी दूर रहे। यूनिटी वेलफेयर सोसायटी का नाम दिखावे के लिए डाला गया था जबकि आयोजन स्थल से लेकर प्रमुख स्थलों में लगे होर्डिंग एवं कुछ अखबारों में स्वयं का विज्ञापन प्रकाशन कराकर उक्त बिल्डर ने खुद ही प्रसारित कराया कि वह खुद इस आयोजन का मुखिया है। यह वही बिल्डर है जिसके खिलाफ सरगुजा संभाग के कई थानों में विभिन्न मामले दर्ज हैं, पिछले वर्ष ही इसे भाजयुमो मंडल अध्यक्ष के साथ जानलेवा हमले में संलिप्तता के कारण सूरजपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था, कांग्रेस सरकार कार्यकाल में ही तात्कालिक कलेक्टर विनय लंगेह ने बिल्डर को जिला बदर कर दिया था। सवाल उठता है कि इतने अपराध करने के बाद भी भाजपा नेताओं और खासकर विधायक तथा जिलाध्यक्ष भाजपा ने बिल्डर को खुद की ओर से क्लीन चिट दे दिया है या फिर इसके पीछे कोई और राजनैतिक चाल है। भाजपा नेताओं द्वारा बिल्डर का संरक्षण दिये जाने से पार्टी का असली चेहरा भी सामने दिखलाई दे रहा है। धार्मिक आयोजन के बहाने बिल्डर ने अपना चेहरा चमकाने की साजिश को बखूबी अंजाम दिया आने वाला समय यही बिल्डर एक बार फिर भाजपा नेताओं के गले की फांस बनेगा ऐसी चर्चा होने लगी है पर ये भी सही बात है की सूरजपुर मामला व्यापारी कारणों से हुआ था वाही जिला बदर राजनितिक कारणों से।

क्या धार्मिक आयोजन के बहाने
चेहरा चमकाने की कोशिश में बिल्डर?
बिल्डर की कार्यशैली से परिचित लोग कर रहे निंदा
रावण दहन हेतु वसूली अभियान
चेहरा चमकाने में लगा बिल्डर
भाजयुमो मंडल अध्यक्ष के साथ जानलेवा हमले में हुई थी गिरफ्तारी
आयोजन बना चर्चा का विषय

भाजपा के कई नेता नदारद,कांग्रेसी भी दूर

रावण दहन कार्यक्रम में चेहरा चमकाने के लिए बिल्डर ने अपनी ताकत झोंक रखी थी,सभी को खुद बिल्डर द्वारा ही आमंत्रण दिया जा रहा था। चुकि आयोजन में स्पष्ट देखने को मिला कि बिल्डर ही अगुवा है और आयोजन समिति नाममात्र की इसलिए बिल्डर के काले कारनामों के कारण उससे दूरी बनाकर रखने वाले अनेक भाजपा नेता भी आयोजन से दूर रहे। अनेक कांग्रेसी जो सामाजिक सद्भाव का संदेश देते हुए पूर्व के आयोजन में शामिल होते रहें हैं उन्होने भी दूरी बनाने में ही भलाई समझी।

भीड़ जुटना स्वाभाविक,लेकिन पीठ थपथपाने की कोशिश

बैकुंठपुर शहर में रावण दहन पिछले एक दशक से भी अधिक समय से किया जा रहा है,इसका प्रचार प्रसार सभी क्षेत्रों मे है। इसलिए आयोजन में भीड़ जुटना स्वाभाविक है हर वर्ष हजारों की संख्या में शहर सहित आसपास के लोग रावण दहन देखने हेतु एकत्र होते हैं लेकिन आयोजन के कर्ताधर्ता एवं उनके चंगु मंगुओं द्वारा भीड़ को लेकर खुद की पीठ थपथपाई जा रही है जो कि आश्चर्यजनक है।

देर रात हुआ रावण दहन,परेशान रहे दर्शक

रावण दहन हेतु आयोजक द्वारा जो समय दिया गया था उसके अनुसार दर्शक मिनी स्टेडियम में पहुंचे थे लेकिन समय से काफी विलंब रात 11.30 के बाद रावण दहन किया गया जिससे कि महिला, बच्चों एवं बुजुर्गो को घंटो मैदान में खड़े रहना पड़ा और उन्हे परेशानी हुई लेट लतीफी के कारण कई दर्शक पहले ही वापिस चले गए।

मुंह देखकर दी गई थी कुर्सी,ग्रामीण जनता का कद्र नही

कार्यक्रम स्थल में 30 प्रतिशत भीड़ शहरवासियों की थी जबकि 70 प्रतिशत ग्रामीण जन शमिल रहे बतलाया जाता है कि आयोजन स्थल में मुंह देखकर बैठने हेतु कुर्सी दी जाती है, शहरवासी एवं अपने खास लोगो को बैठक व्यवस्था दी जाती है जबकि ग्रामीण जनता का कोई कद्र नही होता।

विधायक ने बेटी को मंच पर बैठाया,चर्चा शुरू

जैसा की सूत्रों का कहना है आयोजन हेतु पहल स्थानीय विधायक ने की थी लेकिन अपनी चाल के तहत बिल्डर ने कार्यक्रम में कब्जा कर लिया था। पहली बार यह भी देखने को मिला कि विधायक ने जिला पंचायत सदस्य बहू के साथ मंच पर बेटी को भी बिठा रखा था,जो कि भविष्य की राजनीति के लिए चर्चा का विषय बन गया है।

क्या जमानती बिल्डर के सहारे आगे की राजनीति करेंगे विधायक?

बैकुंठपुर विधायक जो कभी उक्त बिल्डर के काले कारनामों का विरोध किया करते थे,उससे दूरी बनाकर रखते थे,लेकिन अब उन्होने खुद ही बिल्डर को रावण दहन की कमान दे डाली थी। पुराने नेताओ से दूरी बनाते हुए विधायक ने इस बार बिल्डर को संरक्षण देकर आगे किया है,ऐसा प्रतीत होता है जैसे विधायक द्वारा आगे की राजनीति बिल्डर के सहारे की जाएगी।

अंत तक रेणुका के नाम पर रोका गया दर्शको को,अंततः उन्होने बनाई दूरी

रावण दहन कार्यक्रम हेतु मंचीय कार्यक्रम रात 9 बजे से शुरू किया गया,आयोजन में बतौर अध्यक्षता पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह को आमंत्रित किया गया था। मंच संचालक द्वारा बार-बार दर्शको को रेणुका सिंह के आने की सूचना दी जाती रही जिससे कि जनता एकत्र रहे लेकिन रात 11.30 बजे तक वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं और यह सूचना प्राप्त हुई कि वे अब शामिल नही होंगी जिसके बाद रावण दहन किया गया। विवादित बिल्डर की अगुवाई में हुए इस आयोजन से पूर्व केन्द्रीय मंत्री समेत प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों एवं मुख्य महाप्रबंधक की दूरी की चर्चा भी लोगो की जुबान पर रही। कार्यक्रम स्थल पर भी बिल्डर ने खुद का चेहरा चमकाने की भरपूर कोशिश की लोगो में इसका नाराजगी भी देखने को मिला।

वसूली से परेशान रहे अनेक अधिकारी भी रहे दूर

सूत्रों का दावा है की जैसा कि चर्चा का विषय था कि रावण दहन हेतु प्रशासनिक अधिकारियों से दबावपूर्वक भारी भरकम राशि की वसूली की जा रही है। अधिकारी वर्ग इससे मानसिक रूप से परेशान थे,और जैसा सूत्रों का कहना है कि वसूली से परेशान अधिकारियों ने आयोजन से खुद का दूर कर लिया था। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि रावण दहन इस बार बैकुंठपुर शहर में राजनीति और बिल्डर की चाल में फंसकर रह गया।

डेढ़ घंटा लगाते रहे फोन पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बनाई दूरी

घटती-घटना के खबर का व्यापक असर देखा गया, जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में मिनी स्टेडियम में हुए रावण दहन कार्यक्रम के पूर्व भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह को कार्यक्रम में आने के लिए काफी फोन लगाया गया, आयोजको सहित नेताओ ने खूब पैरवी की वो इस आयोजन में शामिल हो कार्यक्रम का समय भी बढ़ाया, परंतु पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह मझ गई कि कार्यक्रम में जरूर कुछ दाल में काला है। जिसके कारण उन्होंने इसमे आने का कार्यक्रम बदल दिया और नागपुर में हो रही रामलीला के मंचन को देखा।

गणमान्य नागरिकों ने बनाई दूरी

प्रति वर्ष इस आयोजन में शहर व आसपास क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति देखी जाती रही है परंतु इस बार कांग्रेस के दिग्गज नेता योगेश शुक्ला,जिला पंचायत के उपाध्यक्ष बेदान्ति तिवारी,कोरिया विकास मंच के संरक्षक देवेंद्र तिवारी, देवरहा बाबा सेवा समिति के अध्यक्ष शैलेश शिवहरे, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नज़ीर अजहर,वर्तमान अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता,चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ राकेश शर्मा।

जिला प्रशासन ने बनाई दूरी

इस वर्ष हुए रावण दहन कार्यक्रम से जिला प्रशासन ने भी दूरी बनाए रखी, कलेक्टर, एसपीज़ जिला सीईओ सहित कई बड़े अधिकारी इस आयोजन में नही पहुंचे,हालांकि सुरक्षा के लिहाज से पुलिस कर्मियों की तैनाती खूब की गई थी,परंतु कार्यक्रम में शामिल होने जिले के बड़े अधिकारियो ने अपने को दूर रखा।

एक समय ऐसा था जब बिल्डर का चेहरा देख विधायक भैयालाल ने बनाई थी दूरी

बैकुंठपुर शहर में रावण दहन कार्यक्रम की शुरूआत कोरिया सर्व विकास मंच के बैनर तले स्व.तीरथ गुप्ता की अगुवाई में हुई थी। कुछ वर्ष पहले भी जब वर्तमान विधायक ही क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे तब सर्व विकास मंच के बैनर तले बिल्डर ने खुद को आगे करने की कोशिश की थी जानकारों का कहना है कि उस दौरान विधायक ने स्वयं नाराजगी जाहिर की थी और कार्यक्रम में शामिल नही हुए थे। अब विधायक द्वारा बिल्डर को खुद को आगे किया जा रहा है जो कि चिंताजनक है।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाला प्रेमी गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जिले के कोरबा कोतवाली अंतर्गत मानिकपुर पुलिस सहायता केंद्र क्षेत्र का मामला था जहाँ कुछ दिन पूर्व एक नाबालिक लड़की ने सुनालिया पुल से छलांग लगाई थी। उक्त मामले मे प्रार्थिया का चौकी उपस्थित आकर प्रथम सूचना पत्र दर्ज करायी गई थी कि इसकी नाबालिक लड़की उम्र 15 वर्ष 4 माह दिनांक 07.10.2024 के शाम 5-6 बजे से रात 10.00 बजे के मध्य में कोई अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बहला-फुसलाकर कर भगा कर अपने साथ ले गया होगा का रिपोर्ट दर्ज कराया गया। उक्त प्रार्थिया के रिपोर्ट पर पुलिस सहायता केन्द्र मानिकपुर थाना कोतवाली जिला कोरबा में अपराध क्रमांक 593/2024 धारा 137(2) बी0एन0एस0 पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया जाकर विवेचना कार्यवाही में लिया गया।

प्रकरण की गम्भीरता पुलिस अधीक्षक कोरबा राजेश कुकरेजा (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा वर्मा (रापुसे) एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा भूषण एक्का (रापुसे) को अवगत कराया गया एवं लापता बालिका का जल्द से जल्द बरामद करने का निर्देश दिया गया। जो प्राप्त निर्देश का पालन

में क्षेत्र में मुखबीर को सक्रिय किया गया। मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार पर दिनांक 07.10.2024 को एक बालिका सुनालिया पुल में छलांग लगायी है उक्त बालिका अथवा उसका शव बरामद नहीं हुआ है कि मुखबीर से प्राप्त सूचना के अनुसार खोजबीन शुरू किया जो एक बालिका का शव थाना खरसिया क्षेत्रांतर्गत प्राप्त हुआ है कि प्राप्त सूचना के आधार पर उक्त बालिका का पहचान करवाया गया जो पुलिस सहायता केन्द्र मानिकपुर से लापता हुआ बालिका के रूप में पहचान हुआ । जो थाना खरसिया जिला रायगढ़ से उक्त मर्ग सदर का डायरी प्राप्त कर इस प्रकरण में शामिल कर जांच कार्यवाही किया गया। जांच में पाया गया कि उक्त बालिका को उसका प्रेमी संतोष तिवारी के द्वारा आत्माहत्या के लिए उत्प्रेरित किया गया है कि आरोपी संतोष कुमार तिवारी पिता प्रकाश कुमार तिवारी उम्र 18 वर्ष 9 माह सा0 म0न0-आई/99 शिवाजीनगर कोरबा थाना सिविल लाईन रामपुर जिला कोरबा का पता तलाश किया गया,जो सोशल मिडिया के माध्यम से प्राप्त जानकारी के अनुसार फरार होने वाला था। जिसे पुलिस टीम के द्वारा सुझबुझ से पकड़ा जाकर अपराध कमांक 593/2024 धारा-108 बी0एन0एस0, 17, 18 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक रिमांड में भेजा जा रहा है।उक्त कार्यवाही में निरीक्षक एम0बी0 पटेल थाना प्रभारी कोतवाली के कुशल मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी नवीन पटेल के नेतृत्व में, मप्रआर0 स्मिता बेक, आर0 गंगा राम डांडे, संजय सिंह एवं अन्य स्टाफ के द्वारा की गयी कार्यवाही ।

आकर्षक आतिशबाजी के साथ शिवाजी नगर में हुआ रावण दहन,गोपाल मोदी रहे मुख्य अतिथि

-संवाददाता-
कोरबा,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शिवाजी नगर डांडिया गरबा उत्सव समिति द्वारा रावण दहन का कार्यक्रम विजयदशमी के अवसर पर रखा गया जिसमें भाजपा नेता को गोपाल मोदी मुख्य अतिथि रहे। रावण दहन मुख्य अतिथि के हाथों किया गया उसके पूर्व आकर्षक एवं मनोहर आतिशबाजी का लोगों ने उठाया। समिति द्वारा आतिशबाजी के बेहतरीन प्रबंध किए गए थे। मुख्य अतिथि गोपाल मोदी ने शिवाजी नगर डांडिया गरबा उत्सव समिति के इस प्रयास की काफी सराहना की और उन्हें उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी। दशहरा उत्सव के दौरान समिति के अध्यक्ष राजकुमार गांगुली, शिव वैष्णव,अयोध्या प्रसाद सोनी,राजू पवार,मनोज रतन परखी, संतोष राय,पवन सिन्हा,विक्की गांगुली, पीतांबर चौहान,अभिषेक जनार्दन, रतन भाटिया, कान्हा,ओम पांचाल सहित मंदिर समिति की पुरी भजन मंडली के साथ कॉलोनी के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जल्द खत्म होगी सिद्धबाबा में विद्युत आपूर्ति की समस्याःरेणुका

विधायक रेणुका सिंह के प्रयास से डीएमएफ मद सिद्धबाबा मन्दिर में लगेगा 3 फेस कनेक्शन

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,13 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

क्षेत्र के ग्राम देवता सिद्धबाबा मन्दिर में अब विद्युत आपूर्ति बाधित नहीं होगी। क्षेत्रीय विधायक रेणुका सिंह व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल की पहल पर अब सड़क से 1000 फिट ऊंचे पहाड़ पर स्थित सिद्ध बाबा मंदिर में 3 फेस 15 किलो वाट विद्युत कनेक्शन लग जाने से सिद्ध बाबा मंदिर में विद्युत आपूर्ति बाधित नहीं होगी। यहां नया 3 फेस कनकेशन ट्रांसफॉर्मर लगने का बाद अब सिद्ध बाबा मंदिर व मन्दिर परिसर रौशनी से जगमग होगा।

गौरतलब है कि सिद्धबाबा सेवा समिति के सदस्यों ने भरतपुर सोनहत विधायक व पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल से मुलाकात कर सिद्ध बाबा मंदिर में विद्युत आपूर्ति को लेकर हो रही समस्याओं से अवगत कराया था। जिस पर विधायक

रेणुका सिंह व स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने संज्ञान लेते हुए डीएमएफ मद से 7 लाख 48 हजार 4 सौ 51 रुपए की स्वीकृति दिलवाई थी। अब डीएमएफ मद की यह राशि विद्युत विभाग को स्थान्तरित कर दी गई है। अब जल्द ही यहां 3 फेस कनेक्शन के साथ ही नया ट्रांसफार्मर लगने का कार्य शुरू होगा। क्षेत्रीय विधायक रेणुका सिंह की इस पहल पर सिद्धबाबा सेवा समिति के सदस्यों व शिवभक्तों ने जनप्रतिनिधि द्वय का आभार व्यक्त किया है।

सिद्धबाबा मन्दिर के लिए बनाई जाएगी कार्ययोजना

भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने कहा कि सिद्धबाबा मन्दिर के प्रति क्षेत्रवासियों की आस्था यहां देखते ही बनती है। सिद्धबाबा सेवा समिति के प्रयास से मन्दिर को केदारनाथ जैसा स्वरूप दिया गया है। केदारनाथ की तर्ज पर बना यह मन्दिर और विकसित किया जाएगा। श्रद्धालुओं को यहां आने जाने में कोई परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान रखते हुए कार्य कराए जाएंगे। विधायक रेणुका सिंह ने कहा कि जल्द ही सिद्ध बाबा सेवा समिति के सदस्यों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर मन्दिर व मन्दिर परिसर में किए जाने वाले कार्यो की कार्ययोजना बनाकर उसे मूर्त रूप दिया जाएगा।

CMYK

भारत ने एक बार फिर तोड़ा पाकिस्तान का रिकॉर्ड

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में रचा इतिहास

हैदराबाद, 13 अक्टूबर 2024। भारतीय टीम ने धमाकेदार अंदाज में बांग्लादेश को तीसरे टी20 मैच में 133 रनों से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। तीसरे टी20 मैच में संजू सैमसन ने शतक और सूर्यकुमार यादव ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। हार्दिक पांड्या ने भी तूफानी पारी खेली। इन प्लेयर्स के आगे बांग्लादेशी बॉलर टिक नहीं पाए। इन प्लेयर्स ने मैदान पर रनों की बरसात कर दी और ऐसा लगा जैसे वह नौसिखिया टीम के साथ खेल रहे हों। हैदराबाद के मैदान पर रनों का वह तूफान आया, जिसने 297 पर जाकर दम लिया। टीम इंडिया ने टी 20 आई में अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। इसके अलावा कई रिकॉर्ड की झड़ी लगा दी। बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजी में रवि बिश्नोई ने कहर बरपाया और तीन विकेट लेकर बांग्लादेश को मैच हारने पर मजबूर कर दिया।

सूर्यकुमार यादव ने बनाया खास रिकॉर्ड

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने तीसरा मुकाबला 133 रनों से अपने किया और इसी के साथ सीरीज को धमाकेदार अंदाज में अपने नाम कर लिया। सूर्यकुमार पहले ऐसे भारतीय कप्तान बन गए हैं, जिनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने दो टी 20 आई मैच 100 प्लस रनों से जीते हैं। उनसे पहले कोई भी भारतीय कप्तान ऐसा नहीं कर पाया था। बांग्लादेश के खिलाफ मैच से पहले सूर्या की कप्तानी में भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2023 में टी 20 आई मैच 106 रनों से जीता था। भारत ने विराट कोहली, हार्दिक पांड्या, शुभमन गिल और केएल राहुल की कप्तानी में एक-एक टी 20 आई मैच 100 प्लस रनों से जीता है।

चौथे सबसे ज्यादा टी 20 आई मैच जीतने वाले भारतीय कप्तान

सूर्यकुमार यादव भारत के लिए बेहतरीन कप्तानी कर रहे हैं और वह विकेट भी लेने के महारथी हो चुके हैं। उन्होंने अभी तक कुल 13 टी 20 आई मैचों में टीम की कमान संभाली है, जिसमें भारत ने 10 जीते हैं और सिर्फ दो हारे हैं। एक मुकाबला टाई रहा है। सूर्या भारत के लिए चौथे सबसे ज्यादा ञ्च20द्ब मैच जीतने वाले कप्तान हैं।

टीम को जिताने में रही है अहम भूमिका

सूर्यकुमार यादव ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में कमाल की बल्लेबाजी की है और उन्होंने संजू सैमसन के साथ बड़ी साझेदारी करके टीम इंडिया को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की। उन्होंने 35 गेंदों में 75 रन बनाए हैं, जिसमें 8 चौके और 5 छक्के लगाए। बेहतरीन पारी खेलते ही उन्होंने टी20 इंटरनेशनल करियर में अपने 2500 रन पूरे कर लिए हैं। सूर्या ने भारत के लिए साल 2021 में टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था और इसके बाद से ही वह टीम की अहम कड़ी बने हुए हैं। उन्होंने अभी तक कुल 2544 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और 21 अर्धशतक शामिल हैं।

एक कैलेंडर ईयर में युगांडा ने जीते हैं सबसे ज्यादा टी 20 आई मैच

टी 20 आई क्रिकेट के एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड युगांडा की टीम के नाम है। युगांडा ने टी 20 आई में साल 2023 में कुल 29 मुकाबले जीते थे। टीम इंडिया ने साल 2022 में 28 मुकाबले जीते थे। इस साल भी भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और एक के बाद एक नए कीर्तिमान बना रही है। टीम इंडिया ने जून में रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीता था और उस दौरान भारतीय टीम ने एक भी मुकाबला नहीं हारा था।

पाकिस्तानी टीम हो गई पीछे

साल 2024 में टीम इंडिया ने अभी तक कुल 21 टी 20 आई मैच जीते हैं और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा मैच जीतने के मामले में पाकिस्तान को पीछे कर दिया है। पाकिस्तान ने साल 2021 में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 20 मुकाबले जीते थे। भारतीय टीम को इस साल अभी साउथ अफ्रीका के खिलाफ चार टी 20 आई मैच खेलने हैं अगर टीम सभी मुकाबले जीत जाती है, तो भी वह युगांडा का वर्ल्ड रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाएगी।

सिर्फ 7.1 ओवर में ही चेज कर लिए 100 रन

भारतीय बल्लेबाजों की खतरनाक बैटिंग का आलम ये था कि टीम इंडिया ने 100 रन सिर्फ 7.1 ओवर में ही चेज कर लिए। यह टी20 इंटरनेशनल मैच में भारतीय टीम की तरफ से सबसे तेज सौ रन बनाने का रिकॉर्ड है। इससे पहले साल 2019 में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी 20 आई मैच में 7.6 ओवर में 100 रन बनाए थे। अब पांच साल पुराना ये रिकॉर्ड टूट गया है। वहीं बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में भारतीय टीम ने 13.6 ओवर में ही 200 रनों का आंकड़ा छू लिया। भारत ने किसी टी 20 आई मैच में पहली बार इतनी तेज से 200 रन बनाए।

बांग्लादेश की टीम आसानी से हार गई सीरीज

पूरी सीरीज में भारतीय युवा प्लेयर्स ने कमाल का प्रदर्शन किया है। हार्दिक पांड्या ने अहम मौकों पर गेंदबाजी और बल्लेबाजी से योगदान दिया। दमदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड मिला। वहीं तीसरे मैच में तूफानी सेंचुरी जड़ने वाले संजू सैमसन को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला। पूरी सीरीज में बांग्लादेश की टीम कहीं पर भी टीम इंडिया को टक्कर नहीं दे पाई और आसानी से सीरीज हार गई।

संजू सैमसन ने लगाया तूफानी शतक

बांग्लादेश के खिलाफ मैच में संजू सैमसन ने तूफानी शतक लगाया। सैमसन ने सिर्फ 47 गेंद में 11 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 111 रन बनाए जो रोहित शर्मा (35 गेंद) के बाद किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज टी20 शतक है। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करके छह विकेट पर 297 रन बनाए जो इस प्रारूप में उसका सर्वोच्च स्कोर था। बांग्लादेश की टीम जवाब में सात विकेट पर 164 रन ही बना सकी। भारत के लिये तेज गेंदबाज मयंक यादव ने 32 रन देकर दो और लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने 30 रन देकर तीन विकेट लिए।

रोनाल्डो ने पुर्तगाल की जीत में फिर दागा गोल

स्पेन ने डेनमार्क को हराया

पुर्तगाल, 13 अक्टूबर 2024। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपना रिकार्ड 133वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागकर पुर्तगाल को नेशंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में पोलैंड पर 3-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई जबकि एक अन्य मैच में स्पेन ने डेनमार्क को 1-0 से हराया।

रोनाल्डो ने 37वें मिनट में राफेल लेओ के शॉट के पोस्ट से टकराने के बाद रिबाउंड पर गोल किया। इससे पहले बर्नार्डो सिल्वा ने 26 वें मिनट में पुर्तगाल की तरफ से पहला गोल किया था।

रोनाल्डो इस साल के शुरू में यूरोपीय चैंपियनशिप में पुर्तगाल की तरफ सेपांच मैचों में एक भी गोल नहीं कर पाए थे लेकिन नेशंस लीग में उन्होंने अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उन सभी में वह गोल करने में सफल रहे। इनमें क्रोएशिया के खिलाफ किया गया गोल भी शामिल है जो उनके करियर का 900वां गोल था। पोलैंड की तरफ से एकमात्र गोल मिडफील्डर पियोत्र ज़ीलिंस्की ने 78 वें मिनट में किया लेकिन डिफेंडर जान बेडनारेक ने खेल समाप्त होने से दो मिनट पहले आत्मघाती गोल करके पुर्तगाल की बड़ी जीत सुनिश्चित की।

पुर्तगाल ग्रूप ए1 में तीन मैचों में नौ अंकों के साथ शीर्ष पर है। क्रोएशिया के छह अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है। उसने ज़गरेब में खेले गए मैच में स्कॉटलैंड को 2-1 से हराया।

स्पेन ने नेशंस लीग के एक अन्य मैच में मार्टिन ज़ुबिमेन्डी के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से डेनमार्क को 1-0 से हराया। इस जीत से मौजूदा चैंपियन स्पेन के ग्रुप ए4 में तीन मैचों के बाद सात अंक हो गए हैं।

डेनमार्क छह अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। सर्बिया के चार अंक हैं। उसने एक अन्य मैच में स्विट्ज़रलैंड को 2-0 से पराजित किया लीग सी में कोसोवो ने लिथुआनिया को 2-1 से, जबकि रोमानिया ने साइप्रस को 3-0 से हराया।

पाकिस्तानी क्रिकेट में होंगे बड़े बदलाव

मुल्तान, 13 अक्टूबर 2024। मुल्तान में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान की करारी हार के बाद देश के क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को एक आपात बैठक की। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में बड़े बदलाव की उम्मीद है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने चैंपियंस कप टीम की चयन समिति और कोचों से मुलाकात की। पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना पहला गेम एक पारी में 43 रन देकर गंवा दिया। ये हाल तब था जब पाकिस्तान टीम ने पहली पारी में 556 रन बनाए थे। लेकिन उसके बाद इंग्लैंड ने 800 से ज्यादा अंक हासिल किये. इस मैच में उसने पाकिस्तान को दूसरी पारी में 220 रनों से हरा दिया। पीसीबी ने मैच के बाद एक बैठक की जिसमें खिलाड़ियों की फिटनेस से लेकर प्रदर्शन तक हर चीज पर चर्चा की गई। इसके अलावा अच्छे रेडियो प्रसारण के आदेश भी जारी किये गये। इस बीच, पाकिस्तान के कई मीडिया आउटलेट्स दावा कर रहे हैं कि बाबर आजम आगामी टेस्ट मैच में भूमिका निभा सकते हैं। बाबर की तबीयत काफी समय से ठीक नहीं थी। पाकिस्तान क्रिकेट इस समय कठिन दौर से गुजर रहा है। इस टीम के लिए घरेलू मैदान पर तो जीतना मुश्किल होगा ही, विदेश में भी जीतना मुश्किल होगा। पाकिस्तान 2022 से अपने घर में टेस्ट सीरीज हार रहा है। इंग्लैंड से पहले बांग्लादेश की टीम ने पाकिस्तान का दौरा किया था और दो मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से जीती थी। यह बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान की पहली टेस्ट हार थी। इससे पहले पाकिस्तान ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से भी हार चुका है। पाकिस्तान में टेस्ट सीरीज का टॉस न्यूजीलैंड की टीम ने जीता।

एचआईएल पुरुष नीलामीः 550 से अधिक खिलाड़ी नीलामी के लिए तैयार

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर 2024। हॉकी इंडिया लीग का बहुप्रतीक्षित पुनरुद्धार रविवार को नई दिल्ली में पुरुषों की नीलामी के साथ शुरू होने वाला है। इस साल के अंत में राउरकेला में शुरू होने वाली हॉकी इंडिया लीग में आठ पुरुष टीमों में से एक में खेलने का मौका पाने के लिए 400 घरेलू और 150 से अधिक विदेशी पुरुष खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। प्रत्येक टीम के पास अगले दो दिनों में तीन आधार मूल्य स्लैबः 2 लाख रुपये, 5 लाख रुपये और 10 लाख रुपये के तहत वर्गीकृत खिलाड़ियों को चुनने के लिए 4 करोड़ रुपये का पर्स होगा। नीलामी में हरमनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह मंदीप सिंह, संजय, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, अभिषेक, कृष्ण बी पाठक, सुमित, विवेक सागर प्रसाद, शमशेर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा और कई अन्य भारतीय नियमित खिलाड़ी शामिल होंगे। उत्साह को और बढ़ाते हुए, रूपिंदर पाल सिंह, बीरेंद्र लाकड़ा और धरमवीर सिंह जैसे पूर्व भारतीय हॉकी दिग्गजों ने भी पंजीकरण कराया है।

मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीखा लिया हैःसंजू

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर 2024। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर की क्रिकेट में दबाव और असफलताओं के साथ जीना सीख लिया है तथा उन्होंने टीम प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया जिसने उन्हें विषम परिस्थितियों से बाहर निकलने और खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दिया।

सैमसन ने अपनी योग्यता के साथ पूरा न्याय करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा लेकिन इससे पहले का उनका सफर अच्छा नहीं रहा था। वह श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे जबकि बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती दो मैच में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।

सैमसन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,''श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता नहीं खोलने के बाद मुझे अगली श्रृंखला में मौका मिलने को लेकर थोड़ा संदेह था। लेकिन उन्होंने (कोचिंग स्टाफ और कप्तान)मुझ पर भरोसा बनाई रखा। वे कहते रहे कि वे समर्थन करना जारी रखेंगे।''

इस 29 वर्ष के खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि भारत की तरफ से खेलते हुए आप दबाव से मुक्त नहीं हो सकते। उन्होंने कहा,''मुझे लगता है कि एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मानसिक रूप से आप बहुत कुछ झेलते हैं, खासकर इस प्रारूप (टी 20) में। लेकिन मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है। मुझे लगता है कि इसका काफी श्रेय ड्रेसिंग रूम, नेतृत्व समूह, कप्तान और कोच को जाना चाहिए जिन्होंने मेरा समर्थन करना जारी रखा।''

सैमसन ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें बांग्लादेश श्रृंखला के दौरान सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने के टीम प्रबंधन के फैसले के बारे में पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा,''मैं भाग्यशाली था कि गौतम भाई, सूर्यकुमार (यादव) और अभिषेक नायर (सहायक कोच) ने तीन सप्ताह पहले ही मुझे सूचित कर दिया था कि बांग्लादेश के खिलाफ मैं पारी की शुरुआत करूंगा। इससे मुझे उचित तैयारी करने में मदद मिली।''

सैमसन ने कहा,''इसके बाद मैं राजस्थान रॉयल्स अकादमी में गया और मैंने वहां नई गेंद के गेंदबाजों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। इससे मुझे मदद मिली। मुझे लगता है कि मैं इस श्रृंखला में किसी भी अन्य श्रृंखला की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक तैयार होकर आया था।''

सैमसन ने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता से उन्हें अपने खेल को लेकर अधिक जागरूकता हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा,''मैं अपने खेल को अच्छी तरह से समझता हूं कि मैं एक से लेकर छह नंबर तक किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकता हूं। मेरे पास बड़े शॉट लगाने के लिए जरूरी ताकत है और मेरी टाइमिंग भी अच्छी है। इसलिए यह सब मेरी भूमिका के अनुसार तैयारी करने से जुड़ा हुआ है।''

विंबलडन की खामोश विदाई

लंदन, 13 अक्टूबर 2024। ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब ने घोषणा की कि विंबलडन 2025 से लाइन जजों की जगह इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग तकनीक का इस्तेमाल करेगा। इस घोषणा के बाद, 1982 से टूर्नामेंट में अंपायरिंग कर रही लाइन जज वेंडी स्मिथ बेहद दुखी हैं और उनका दावा है कि उन्हें टेनिस के मक्का को अलविदा कहने का मौका नहीं मिला। यह सोचकर दुख होता है कि मेरे पास ऐसा पल फिर कभी नहीं होगा। मैं सेंटर कोर्ट पर खड़ा नहीं हो पाऊँगा। और मैं चाहता हूँ कि वे हमें इस साल के टूर्नामेंट से पहले बता देते ताकि हमें अलविदा कहने का मौका मिल जाता। मैं हमेशा टेनिस से प्यार करता रहूँगा, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं अब एक दर्शक के रूप में विंबलडन में जा पाऊँगा। वेंडी ने द गार्जियन को बताया, इसमें पहले जैसा माहौल नहीं होगा। लाइव इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग (लाइव ईएलसी) के नाम से जानी जाने वाली आधिकारिक तकनीक सभी चैंपियनशिप और क्वालीफाइंग मैच कोर्ट में लागू होगी और इसमें आउट और फॉल्ट कॉल शामिल होंगे जो पहले लाइन जजों द्वारा किए जाते थे।

अमिताभ बच्चन ने की रिजेक्ट, विनोद खन्ना की झोली में आ गिरी थी ये ब्लॉकबस्टर

अमिताभ बच्चन बॉलीवुड के वो सुपरस्टार हैं जिनका सफर इंडस्ट्री में 10-20 साल नहीं बल्कि 5 दशक से भी ज्यादा पुराना है। बिग बी ने 1969 में रिलीज हुई सात हिंदुस्तानी से अपना डेब्यू किया था। 70 का दशक अमिताभ बच्चन का दौर कहा जाता है, क्योंकि इस दौर में उन्होंने जो भी फिल्म छुई उसने बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर दिया। इस दौर में बड़े-बड़े स्टार बिग बी के स्टारडम के आगे नहीं टिकते थे। लेकिन, एक ऐसा एक्टर था जिसे बिग बी का बड़ा कॉम्पटीटर माना जाता था। हम बात कर रहे हैं विनोद खन्ना की। तगड़े कॉम्पटीटर होते हुए भी विनोद खन्ना और अमिताभ बच्चन ने साथ में फिल्में कीं। दूसरी तरफ 80 के दशक की शुरुआत में अमिताभ बच्चन ने एक ऐसी धांसू फिल्म ठुकरा दी, जो बाद में विनोद खन्ना की झोली में आ गिरी और इसने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई की।

1980 में रिलीज हुई थी ये फिल्म

विनोद खन्ना स्टारर इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर गदर काट दिया और हफ्ते-चार हफ्ते नहीं बल्कि 3 महीने तक सिनेमाघरों में टिकी रही। थिएटर्स में लगने के बाद ये फिल्म हटने का नाम ही नहीं ले रही थी। ये फिल्म है कुर्बानी है। ये फिल्म साल 1980 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसमें विनोद खन्ना, फिरोज खान, जीनत अमान, अमजद खान, शक्ति कपूर और कादर खान जैसे कई सितारे नजर आए थे। ये फिल्म साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक साबित हुई थी।

3 महीने तक हाउसफुल रहे सिनेमाघर

हालांकि, कुर्बानी के लिए अमिताभ बच्चन पहली पसंद थे। फिरोज खान इस फिल्म का ऑफर लेकर अमिताभ बच्चन के पास पहुंचे थे, लेकिन बिग बी ने फिल्म को लेकर दिलचस्पी नहीं दिखाई और फिल्म विनोद खन्ना के खाते में आ गई। विनोद खन्ना को जैसे ही कुर्बानी ऑफर हुई उन्होंने बिना देर किए हामी भर दी। इस फिल्म ने रिलीज के बाद सिनेमाघरों में खूब गदर काटा। आईएमडीबी की रिपोर्ट के अनुसार तो कुर्बानी की रिलीज के बाद मुंबई के तमाम सिनेमाघर 3 महीने तक हाउसफुल चलते रहे।

ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी कुर्बानी

विनोद खन्ना ने इस कुर्बानी में अमर का किरदार निभाया था। वहीं फिरोज खान,राजेश खुमार के रोल में थे। सिनेमाघरों में लगी कुर्बानी ब्लॉकबस्टर रही और 1980 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। इस फिल्म के साथ ही इसके गाने भी सफल रहे। ये फिल्म करीब 2.5 करोड़ के बजट में बनकर तैयार हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर 25 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था। यानी फिल्म ने अपने बजट से लगभग 10 गुना ज्यादा कमाई की थी। इस फिल्म ने विनोद खन्ना के करियर में अहम भूमिका निभाई थी।

ट्विंकल खन्ना ने बीच सड़क पर पति अक्षय संग मटकाई कमरिया

मम्मी-पापा की हरकत देख शर्मिंदा हुए बच्चे!

अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना बॉलीवुड इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक है। ट्विंकल सालों से बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन फैंस को एंटरटेन करने और उनसे जुड़े रहने का वह कोई मौका नहीं छोड़तीं। ट्विंकल सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर कुछ ना कुछ पोस्ट करती हैं। अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना, पति अक्षय कुमार और बच्चों आरव-नितारा का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह पति अक्षय संग बीच सड़क पर कुछ ऐसा कर रही हैं कि उनके बच्चे शर्मिंदा होते नजर आ रहे हैं।ट्विंकल खन्ना ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें उन्हें पति अक्षय संग बीच सड़क पर कमरिया मटकाते देखा जा सकता है। इस दौरान कपल के साथ उनके दोनों बच्चे आरव और नितारा भी मौजूद थे, जो अपने पेरेंट्स की ये हरकत देखकर हैरान हो जाते हैं। ट्विंकल ने वीडियो पोस्ट करते हुए बताया कि उन्हें और अक्षय को बीच सड़क डांस करते देख उनके बच्चे बहुत शर्मिंदा हो गए। इसी के साथ उन्होंने अन्य पेरेंट्स से भी पूछा कि बच्चों को शर्मिंदा करने का उनका फेवरेट तरीका क्या है।

ट्विंकल खन्ना का मजेदार कैप्शन

वीडियो शेयर करते हुए ट्विंकल खन्ना ने कैप्शन में लिखा- जब आप डांस कर सकते हैं तो पैदल क्यों चलना? इसके और फायदे जानते हैं? अपने बच्चों को शर्मिंदा करने का मौका। लेकिन, सच तो ये है कि एक बार जब बच्चे टीनएज में पहुंच जाते हैं तो आपका अस्तित्व ही उन्हें अपमानित करने के लिए पर्याप्त होता है। अपने बच्चों को शर्मिंदा करने के लिए आप क्या करते हैं?

शॉर्ट ड्रेस पहन इवेंट में पहुंची पलक तिवारी

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में इंडस्ट्री में अपनी अच्छी पहचान बना लही है। बता दें कि एक्ट्रेस ने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अब हाल ही में एक्ट्रेस को एक इवेंट के दौरान पैपराजी ने स्पॉट किया। जहां उनका ग्लैमरस लुक देखकर लोगों की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।एक्ट्रेस पलक तिवारी हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के चलते सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस पलक तिवारी को पैपराजी ने एक इवेंट के दौरान स्पॉट किया। इस दौरान वो बेहद ही गॉर्जियस लुक में नजर आई।पलक तिवारी ने इवेंट के लिए ब्लू कलर के शॉर्ट आउटफिट को चुना। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही हॉट लग रही हैं।खुले बाल, लाइट मेकअप, हाई हील्स और हॉथ में छोटा सा बैग कैरी कर के एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस पैपराजी को क्यूट सी स्माइल देते हुए एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनका ये कातिलाना अंदाज देखकर फैंस की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।बता दें कि एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करने के लिए फैंस काफी बेताब रहते हैं।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

एम्स रायपुर में 82 पदों पर भर्ती

रायपुर,13 अक्टूबर 2024(ए)। एम्स रायपुर में सीनियर रेजिडेंट (गैर-शैक्षणिक) के 82 पदों पर भर्ती की जा रही है। इसके लिए वॉक-इन इंटरव्यू 15 अक्टूबर, मंगलवार को आयोजित किया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवारों को एम्स द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सुबह 10:00 बजे तक इंटरव्यू स्थल पर उपस्थित होना अनिवार्य है। इस भर्ती प्रक्रिया में केवल वे उम्मीदवार शामिल हो सकेंगे जो संबंधित दस्तावेजों के साथ तय समय पर पहुंचे।

तलाक के बाद ससुराल में नहीं रह सकती महिला : हाईकोर्ट

बिलासपुर,13 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने एक महत्वपूर्ण फैसले में सिंगल बेंच द्वारा जारी अवमानना आदेश को रद्द कर दिया है। यह मामला तलाकशुदा दंपती शैलेश जैकब और मल्लिका बल के बीच विवाद से जुड़ा है, जिसमें पत्नी को ससुराल में अलग कमरे की व्यवस्था न मिलने पर अवमानना की याचिका दायर की गई थी। डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ताओं की अपील स्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि इस परिस्थिति में अदालत के आदेश की कोई अवमानना नहीं हुई है।

15 नवंबर से होगी धान की खरीदी:वर्मा

रायपुर,13 अक्टूबर 2024(ए)। कांग्रेस पार्टी प्रदेश सरकार से एक नवंबर से धान खरीदी की मांग कर रही है। इस पर खेल एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि एक नवंबर को धान कटने के बाद गीली रहती है। उसको कहीं नहीं ले सकते हैं। ऐसे में सरकार 15 नवंबर से धान खरीदी का निर्णय लिया है। इस समय तक धान भी तैयार हो जाएगा।

सुप्रीमकोर्ट के फैसले को दिखाया ठेंगा

- मामला छत्तीसगढ़ के मेडिकल कॉलेज का...
- एनआरआई कोटे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी छत्तीसगढ़ में पुराने नियम से हो रही है भर्ती...
- करोड़ों के खेल की आशंका जता कांग्रेस ने की भर्ती रद्द करने की मांग...

वास्तविक एनआरआई को नहीं मिलता लाभ

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि रिश्तेदार की परिभाषा को व्यापक बनाने से संभावित दुरूपयोग का द्वार खुल जाता है, जिससे वास्तविक अप्रवासी भारतीय और उनके बच्चों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बनाई गई नीति में योग्य उम्मीदवारों को मदद नहीं मिलती है। सर्वोच्च न्यायालय के उपरोक्त पारित निर्णय के बाद अप्रवासी कोटा में उपरोक्त दूर के रिश्ते के आधार पर मेडिकल सीटों में प्रवेश नहीं दिया जाना है। मगर पंजाब उच्च न्यायालय के निर्णय पर सर्वोच्च न्यायालय की 24 सितंबर 2024 की स्वीकृति के बाद छत्तीसगढ़ शासन ने 27 सितंबर को काउंसलिंग प्रक्रिया 2018 के नियम के अनुसार किया है, ऐसा करना सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना प्रतीत होता है।

प्रदेश में निजी मेडिकल कॉलेज के द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के 2018 के नियमों के अनुसार भर्ती करते हुए अप्रवासी कोटा में प्रवेश दिया जा रहा है जिससे नीट परीक्षा में सफल छात्र सूची से बाहर हो रहे हैं जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका पर निर्णय देते हुए इसे रोकने का आदेश दिया है।

रायपुर,13 अक्टूबर 2024 (ए)। कांग्रेस पार्टी के चिकित्सा प्रकोष्ठ ने प्रदेश में अप्रवासी भारतीयों के छत्तीसगढ़ में मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस एवं अन्य सभी चिकित्सा व्यवसाय संबंधी प्रवेश में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का पालन कराने की मांग की है। दरअसल पंजाब सरकार ने एनआरआई के रिश्तेदारों की जो व्याख्या की थी उसे कोर्ट ने रद्द कर दिया है, ऐसे ही नियम छत्तीसगढ़ में भी हैं, जिसे कोर्ट के फैसले के बाद रोकने के मांग उठाई गई है।

क्या है मामला..?

कांग्रेस पार्टी के चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने इस मुद्दे को लेकर बताया कि मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई की भर्ती को लेकर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला 24 सितंबर 2024 को जारी हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय ने एनआरआई की भर्ती के संबंध में पंजाब उच्च न्यायालय के आदेश को सही ठहराया है। पूर्व में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पंजाब सरकार की उस अधिसूचना को रद्द कर दिया था, जिसमें पंजाब राज्य के मेडिकल कॉलेजों में अप्रवासी भारतीय कोटा से एडमिशन की शर्तों में संशोधन किया गया था। अप्रवासी भारतीय छात्र कोटा से पंजाब सरकार के एमबीबीएस प्रवेश के तरीके को गलत कहा गया और पंजाब सरकार के नोटिफिकेशन को पंजाब हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया था। पंजाब हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ वहां की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई, मगर यहां भी कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहरा दिया।

फैसले के बाद भी जारी है छग में भर्ती

राकेश गुप्ता ने बताया कि 24 सितंबर 2024 को जारी सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद भी 27 सितंबर 2024 को छत्तीसगढ़ शासन के पुराने नियम के तहत ही काउंसलिंग और सीट आवंटन की प्रक्रिया की गई है। जबकि उच्चतम न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया है कि अप्रवासीय भारतीयों के कोटे में दूर के रिश्तेदारों को एडमिशन में आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा सकता है।

इन्हें माना गया था रिश्तेदार

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कराई गई स्नातक प्रवेश नियम 2018 के पारित किए गए निर्णय अनुसार ही पंजाब सरकार की तरह अप्रवासी भारतीयों के पिता, माता, भाई, बहन, भाई की, बहन की संतान, चाचा, चाचा की संतान, बुआ, बुआ की संतान, नाना, नानी, दादा, दादी से रिश्ता लिया गया था। जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने 'फ्रॉड' कहकर नकार दिया है। इस प्रकार अप्रवासी भारतीयों (एनआरआई) के प्रवेश कोटे में दूर के रिश्तेदारों के आधार पर आरक्षण के विस्तार पर रोक लग गई है।

करोड़ों के वारे-न्यारे की आशंका

बताया जा रहा है कि एनआरआई कोटे से भर्ती के लिए छत्तीसगढ़ के कतिपय निजी मेडिकल कॉलेज पूर्व में 75 लाख रूपये तक लेते थे, मगर इस बार यह वसूली डेढ़ करोड़ रूपये तक पहुंच गई है। दरअसल मेडिकल की पढ़ाई के लिए एडमिशन की होड़ रहती है, इसके लिए अलग से निर्धारित कोटे का लाभ लिया जाता है और इन कोटे से कॉलेज प्रबंधन को मोटी रकम मिल जाती है। इनमें एनआरआई के कोटे में रिश्तेदारों का जो नियम बनाया गया था, उसका बहुत ही गलत तरीके से लाभ उठाया जा रहा था।

सूत्र बताते हैं कि दलालनुमा लोग नीट में कम नंबर आने के बाद भी इस तरह के कोटे से एडमिशन दिलाने का ठेका ले लेते हैं। इसके बदले में मोटी रकम चुकानी पड़ती है। दलाल लोग एनआरआई के रिश्तेदार का प्रमाण पत्र बनवा कर ऐसे लोगों को एडमिशन दिलवा देते हैं।

मेडिकल सीट में 15 प्रतिशत है एनआरआई कोटा...

बता दें कि प्रदेश के निजी मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटा के तहत 15 प्रतिशत सीट निर्धारित है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वर्तमान वर्ष में स्नातक प्रवेश प्रक्रिया चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय, महानदी भवन नया रायपुर, छत्तीसगढ़ चिकित्सा दंत चिकित्सा एवं भौतिक चिकित्सा फिजियोथैरेपी स्नातक प्रवेश नियम 25 मई 2018 की नियमावली के अनुसार भर्ती प्रक्रिया की गई है। कांग्रेस के चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने इस संबंध में मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और अन्य संबद्ध लोगों को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि निजी चिकित्सा संबंधी कॉलेज में एनआरआई नियतांक श्रेणी की सीटों में केंद्रीय अधिनियम की परिभाषा के अनुसार प्रवासी होने से संबंधित समुचित प्रमाण पत्र, परिभाषा एवं श्रेणी के अनुसार प्रवेश देने एवं निर्धारित तिथि तक विद्यार्थी उपलब्ध न होने पर मुक्त (ओपन) श्रेणी के नीट उत्तीर्ण विद्यार्थियों को मेरिट के अनुसार प्रवेश देने संबंधी निर्देश तत्काल प्रभाव से जारी करें। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के हुए आदेश के विरुद्ध किये गए सभी अप्रवासी छात्रों का प्रवेश निरस्त किया जाए तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 24 सितंबर 2024, पंजाब राज्य एवं अन्य विरुद्ध गीतन वर्मा एवं अन्य में पारित निर्णय का पालन कराया जाये।

महादेव बुक सट्टा ऐप्प के साझेदारों का हुआ खुलासा

- इसमें किसकी है कितनी हिस्सेदारी...

रायपुर,13 अक्टूबर 2024(ए)। महादेव बुक सट्टा ऐप के मुख्य संचालक सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद इस गिरोह में शामिल लोगों की हिस्सेदारियों का खुलासा हो रहा है। सौरभ चंद्राकर के पास इस ऑनलाइन सट्टा साम्राज्य में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि उनके सहयोगी रवि उप्पल की 25 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

शुभम सोनी का विधानसभा चुनाव के दौरान 10 प्रतिशत हिस्सा बताया जा रहा है, जबकि रायगढ़ के व्यवसायी अनिल अग्रवाल (उर्फ अतुल अग्रवाल) की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत है। इस मामले में अब तक 70 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं और 300 से अधिक गिरफ्तारियां हुई हैं। पैसे के हवाले और पैनल बांटने वालों की गिरफ्तारी के साथ, कई प्रमुख नामों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें अनिल दम्मानी, सुनील दम्मानी, चंद्रभूषण वर्मा, असीम दास, नितीश दीवान, भीम सिंह, और अर्जुन यादव शामिल हैं।

एफआईआर में पूर्व मुख्यमंत्री का नाम भी शामिल

पुलिस के बाद, मामले की जांच ईडी ने शुरू की। हाल ही में ईओडब्ल्यू ने महादेव सट्टा ऐप में 19 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भी नाम शामिल है। इस मामले की जांच अब सीबीआई को सौंप दी गई है।

दर्ज एफआईआर में सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल, शुभम सोनी (उर्फ पिंटू), चंद्रभूषण वर्मा, असीम दास, संतोष चंद्राकर,भूपेश बघेल, नितीश दीवान, अनिल कुमार अग्रवाल,रोहित गुलाटी,विशाल आहुजा,अनिल दम्मानी, सुनील दम्मानी, भीम सिंह यादव, हरीशंकर तिबरवाल, और सुरेंद्र बागड़ी का नाम शामिल है।

नितीश का सौरभ के साथ पुराना संबंध

नितीश दीवान, जो रायपुर सेंट्रल जेल में बंद है, पहले सौरभ चंद्राकर का रूम पार्टनर था। प्रारंभ में उनके बीच करीबी संबंध थे, लेकिन जैसे-जैसे सौरभ का काम बढ़ा, उन्होंने नितीश से दूरी बना ली।

सौरभ को है जुआ खेलने का शौक

सूत्रों के अनुसार, सौरभ ने महादेव सट्टा ऐप से काफी मुनाफा कमाया। रोजाना 200 करोड़ रुपये का कारोबार होता था, लेकिन बाद में उन्होंने खुद भी जुआ खेलना शुरू किया और काफी पैसे भी गंवाए।

चुनाव से पहले पूर्व सीएम का नाम आया सामने

बता दें कि ईडी ने नवंबर 2023 में एक कथित कैश कूरियर असीम दास को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से करोड़ों की नकद राशि बरामद हुई थी, जो दुबई से रायपुर लाई जा रही थी। शुभम सोनी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर 508 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आरोप लगाया था। चुनाव से पहले ईडी ने आरोप लगाया था कि महादेव एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल ने भूपेश बघेल को रिश्वत दी थी, और यह आरोप भाजपा द्वारा कांग्रेस सरकार को घेरने के लिए भी इस्तेमाल किया गया था।

रिटायर्ड आईएएस रीता शांडिल्य को बनाया गया पीएससी का कार्यकारी अध्यक्ष

रायपुर,13 अक्टूबर 2024 (ए)। सेवानिवृत्त आईएएस रीता शांडिल्य को पीएससी का सदस्य बनाते हुए कार्यकारी अध्यक्ष पद पर नियुक्ति दी गई है। कुछ समय पूर्व ही रिटायर हुई रीता शांडिल्य 2002 बैच की अफसर रहीं। पीएससी में उनकी नियुक्ति संबंधी अधिसूचना राज्य सरकार ने जारी कर दी है।

फर्जी ड्रग इंस्पेक्टर हुए गिरफ्तार

दुर्ग,13 अक्टूबर 2024(ए)। दवा दुकानों में छापेमारी कर नकली दवा के नाम पर दवाओं की सैंपलिंग लेकर दुकान संचालकों को धमकाने और उगाही करने वाले पांच फर्जी ड्रग इंस्पेक्टर पकड़े गए हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. धमधा थाना प्रभारी पीडी चंद्रा ने बताया कि ग्राम धुमा धमधा निवासी रघुनंदन प्रसाद वर्मा (68 वर्ष) ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह खेती-किसानी का काम करता है। उसके बेटे दिलेंद्र कुमार वर्मा ने तीन साल पहले लाइसेंस लेकर घर में मेडिकल दुकान खोली थी. गुरुवार दोपहर वह ग्राम सिलपट्टी में दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने गया था. उस दौरान दुकान में बैठे लड़के ने बताया कि एक शख्स ने कॉल कर खुद को ड्रग इंस्पेक्टर बताते हुए बिना लाइसेंस के दवा दुकान चलाने पर कार्यवाई के लिए धमकाने लगा. इसके साथ ही खैरागढ़ कलेक्टोरेट में मिलने के लिए बुलाया है. बेटे से बात खत्म होने के बाद रघुनंदन ने बहू को कॉल किया. उसने बताया कि स्कार्पियों (सीजी 17 केएच 8580) में पांच लोग सवार होकर घर आए और खुद को ड्रग इंस्पेक्टर बताकर मेडिकल दुकान में घुस गए. और बिना लाइसेंस दुकान चलाने पर जेल भेजने की धमकी लेने लगे. इसके साथ जाते समय कुछ दवाएं सैम्पल के लिए साथ ले गए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)